www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 62 || लखनऊ
मंगलवार
02 जून 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 06:56
अधिकतमः 37°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार
क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा... >>पेज 04
मोनिका यादव पति संग ... >>पेज 06
कटरीना को छोड़ दिशा संग अक्षय ...

नालायक औलादों को समझा लो : योगी

दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी बर्दाश्त नहीं, गोहत्या पर भी चेताया- पीढ़ियां याद करेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौ। सीएम योगी ने गाजियाबाद में सूर्या हत्याकांड पर सोमवार को कहा कि अभी गाजियाबाद में दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी हुई। यह कतई बर्दाश्त नहीं है। अगर कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नहीं पा रहा, तो समझ लो वह गलती कर रहा है। अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं। लेकिन, सामने खर-दूषण हैं तो शस्त्र उठाना होगा। भगवान कृष्ण ने भी कहा था कि सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बनें, दुर्जनों के लिए नहीं। गोमाता स्वघोषित राष्ट्रमाता है। जैसे हमारी माता के बारे में किसी को परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। जैसे गंगा माता के बारे में किसी को परिचय देने की आवश्यकता नहीं।

सीएम बिजनौर में बोल रहे थे। उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उठ रही मांगों पर कहा- मैं देख रहा था, कुछ लोग सोशल मीडिया पर गोमाता की फोटो लगाकर बकरीद की बधाई दे रहे थे। लेकिन, मैं उनको बोलना चाहता हूं। यूपी में गोहत्या का मतलब समझते हो न क्या होगा? अगर जान रहे हो तो फिर अपने चेले-चपाटों को समझा लो। गोमाता के साथ किसी भी तरह की कोई हिमाकत की तो कई-कई पीढ़ियां याद करेंगी।

गाय हमारी माता है, दोगलापन तुम्हारा है

सीएम ने कहा- कांग्रेस ने देश का विभाजन करवाया। ये लोग कहते थे कि बाहर से आए बौद्ध, सिख लोगों को नागरिकता मत दो। इसके लिए इन लोगों ने बड़े-बड़े प्रदर्शन किए। सपा ने भी किए। इन लोगों ने पीएम के बनाए कानून का विरोध किया। अब कहते हैं कि गोमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करो।

आक्रांता को हमें कुछ भी बताने की जरूरत नहीं

गोमाता स्वघोषित राष्ट्रमाता है। जैसे हमारी माता के बारे में किसी को परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। जैसे गंगा माता के बारे में किसी को परिचय देने की आवश्यकता नहीं। हम सब गंगा माता की आरती करते हैं। उनकी पूजा करते हैं। क्या कोई हमें बताएगा कि गंगा हमारी माता है? किसी आक्रांता को हमें कुछ भी बताने की जरूरत नहीं। हमने गाय को माता माना है, हमने गंगा को माता माना है।

बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए मौलाना कभी क्यों नहीं बोलते

मैं एक बात पूछना चाहता हूं, ये पाकिस्तान से विस्थापित हुए पीड़ितों के लिए कभी उन मौलाना की आवाज क्यों नहीं निकली? ये दोगला चरित्र है।

मुंह पर कुछ और पीछे कुछ और। आज से 6 महीने पहले जब बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हुआ था, तब एक भी मौलाना नहीं बोला। बांग्लादेश में पहले 22 फीसदी हिंदू थे, वो अब 7 फीसदी रह गए हैं। पाकिस्तान में 14 फीसदी हिंदू, अब 2 फीसदी रह गए हैं।

मौलाना क्यों घोषणा नहीं करते कि पाकिस्तान घटिया स्तर पर काम कर रहा

ये मौलाना-मौलवी कभी भी पाकिस्तान-बांग्लादेश की निंदा नहीं करते। अरे, एक बार जुम्मे की नमाज में यही घोषणा कर देते कि पाकिस्तान घटिया स्तर पर काम कर रहा है। भारत का दुश्मन है, लेकिन कोई कुछ नहीं बोला। आपने देखा होगा बकरीद के मौके पर किस-किस प्रकार की हरकतें हो रही थीं। पहले तो हिंदू के त्योहार सपने जैसे हो गए थे। बेटी स्कूल नहीं जा पा रही थी। व्यापारी सुरक्षित नहीं था।

पाकिस्तान से आए 1645 परिवारों को पट्टा दिया

सीएम योगी बिजनौर के अफजलगढ़ क्षेत्र स्थित आलमपुर गावड़ी पहुंचे थे। उन्होंने पाकिस्तान से विस्थापित 1645 हिंदू परिवारों और 50 पूर्व सैनिकों को जमीन के पट्टे दिए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अप्रैल में लखीमपुर खीरी में भी बांग्लादेश से विस्थापित 331 परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र बांटे थे। गाजियाबाद में बकरीद के दिन (28 मई) असद ने सूर्या की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। रविवार (31 मई) तड़के पुलिस ने असद को एनकाउंटर में मार गिराया। पुलिस ने साजिश रचने के आरोप में असद के पिता नवाब समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पांचवां आरोपी अभी फरार है। हत्या के 5वें दिन भी खोड़ा में पुलिस फोर्स तैनात है।

> पाकिस्तान में हिंदू, सिख, जैन भाइयों के साथ जो अन्याय हुआ था, उसका परिमार्जन करने के लिए, पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने के लिए हम लोग आए हैं। अब फिर से अगर भारत के अंदर दुस्साहस करोगे, तो लखनऊ से ही ब्रह्मास्त्र मिसाइल बनाकर दागेंगे कि अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।

अब कोई माई का लाल भर्ती नहीं रोक सकता

आज बिजनौर में मेडिकल कॉलेज खुल गया है। यह सब इसलिए हो पाया, क्योंकि आपने कमल को वोट दिया।

हाईवे बन रहे, रेलवे के नए-नए काम हो रहे हैं। यह विकास ही परिवर्तन लाएगा।

बिजनौर से हजारों नौजवान पुलिस में भर्ती हुए। पहले बस चाचा-भतीजा होता था। लेकिन, अब कोई माई का लाल भर्ती नहीं रोक सकता।

अब आरोपी असद के घर पर बुलडोजर चलेगा। सोमवार को प्रशासन की टीम असद के घर पहुंची। घर के गेट पर ताला लगा था। इसके बाद एसडीएम ने अवैध कब्जा करके घर बनाने का नोटिस दरवाजे पर चिपकाया।

इसमें कहा गया कि जिस जमीन पर मकान बना है, उस पर अवैध कब्जा किया गया है।

असद के पिता नवाब को 15 दिनों के भीतर एसडीएम कार्यालय में अपना जवाब देना होगा। साथ ही अवैध कब्जा खुद हटाने के लिए भी कहा गया है।

इसके बदले में भारत ने अगले 5 सालों में अमेरिका से करीब 500 बिलियन डॉलर (लगभग 47 लाख करोड़) के एनर्जी प्रोडक्ट्स, एयरक्राफ्ट और एयरक्राफ्ट पार्ट्स, कीमती धातुएं, टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और कोकिंग कोल खरीदने की इच्छा जताई है।

भारत और अमेरिका के बीच आज से 4 दिन की बातचीत

अंतरिम व्यापार समझौता फाइनल हो सकता है

47 लाख करोड़ के अमेरिकी प्रोडक्ट इसमें भारत खरीदेगा

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच आज यानी सोमवार से 4 दिनों की हाई लेवल व्यापारिक बातचीत शुरू होगी। दोनों देशों के अधिकारी दिल्ली में उस अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे, जिसके फ्रेमवर्क पर इसी साल फरवरी में सहमति बनी थी।

इस 4 दिवसीय बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वहां के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच कर रहे हैं।

वहीं, भारतीय टीम की कमान वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पन जैन के हाथों में है।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अंतरिम समझौते के कानूनी रूप से अंतिम रूप देना है।

>> (शेष पेज 06 पर)

अंतरिम व्यापार समझौता क्या होता है?

दो देशों के बीच पूरा (पूर्ण) व्यापार समझौता (FTA) बनाने में समय लगता है — कई महीने या साल। तब तक दोनों देश तुरंत कुछ फायदे देने के लिए एक छोटा, अस्थायी समझौता कर लेते हैं। इसे अंतरिम व्यापार समझौता कहते हैं।

भारत खरीदेगा $500 बिलियन के अमेरिकी प्रोडक्ट

तय किए गए मौजूदा फ्रेमवर्क के तहत भारत ने अमेरिका के सभी इंडस्ट्रियल गुड्स और कृषि उत्पादों पर से टैरिफ हटाने या कम करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें मुख्य रूप से ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (DDGs), पशु चारे के लिए रेड सोरघम (लाल ज्वार), ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

स्कूल ऑफ प्लानिंग की बिल्डिंग में आग

नई दिल्ली। दिल्ली के ITO इलाके में स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (SPA) में सोमवार सुबह आग लग गई। दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अन्नामलाई बीजेपी नेताओं से मिलने दिल्ली रवाना

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु BJP के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई सोमवार को दिल्ली रवाना हो गए। वे BJP के टॉप लीडर से मुलाकात कर सकते है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब उनके नई राजनीतिक पार्टी बनाने की चर्चाएं चल रही हैं। चेन्नई एयरपोर्ट पर उनसे BJP छोड़ने और नई पार्टी बनाने की चर्चाओं के बारे में पूछा गया। इसपर उन्होंने कहा- इंतजार कीजिए। दो दिन बाद बैठकर बात करेंगे। एयरपोर्ट पर पहुंचने के दौरान अन्नामलाई के गाड़ी पर BJP का झंडा नहीं लगा था। 4 जून को अन्नामलाई के जन्मदिन से पहले चेन्नई के कई इलाकों में उनके समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं।

डेढ़ साल के बच्चे की मारपीट से मौत

तिरुवनंतपुरम। केरलम के तिरुवनंतपुरम जिले के नेडुमंगड में लगातार शारीरिक प्रताड़ना और मारपीट से एक डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बच्चे की मां अखिला (24) और उसके लिव-इन पार्टनर अशकर (31) को 31 मई को गिरफ्तार किया है। बच्चे का नाम अर्शित था। आरोपी अशकर 29 मई की शाम बच्चे को गंभीर हालत में तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचा था।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर 6 जून को भारत लौटेंगे

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके 6 जून को भारत लौटेंगे। इसके बाद वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। दिपके ने इसकी जानकारी अपने X अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' पर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। CJP के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। 30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले

- दिपके ने पार्टी के एक्स अकाउंट से 6 जून को भारत लौटने की जानकारी दी।

डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिस उन्हें डरा-धमका रही, पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो एमएलए को निकाला

टीएमसी विधायकों पर भाजपा जॉइन करने का दबाव : ममता

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को फेसबुक पर वीडियो मैसेज जारी कर भाजपा और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस TMC विधायकों पर पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने का दबाव बना रही है। ममता ने दावा किया कि कुछ विधायकों और सांसदों को डराने-धमकाने या रिश्वत देकर TMC को कमजोर

करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा- जो लोग TMC छोड़कर गए हैं, उनके जाने से पार्टी का भला ही हुआ है। ममता का वीडियो मैसेज TMC के भीतर टूट की खबरों के बीच आया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

निष्कासित विधायकों ने फर्जी साइन के आरोप लगाए थे

TMC से निकाले गए विधायक संदीपन साहा और ऋतव्रत बनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में शोभनदेब चट्टोपाध्याय के समर्थन में तैयार प्रस्ताव में उनके साइन फर्जी तरीके से दिखाए गए हैं। दोनों विधायकों ने दावा किया कि 6 मई को हुई बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित नहीं हुआ था। विधानसभा अध्यक्ष के हस्तक्षेप पर कोलकाता के हरे स्ट्रीट थाने में FIR दर्ज की गई।

वीडियो मैसेज में ममता की 4 बड़ी बातें...

- TMC सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह चौंकाने वाला है। बेले व्यू अस्पताल के डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन उन्हें इलाज नहीं करने के निर्देश दिए गए। यह कैसा अजीब और तानाशाही रवैया है?
- बेले व्यू अस्पताल के लोग पहले मेरे पैर छूते थे। आपके बिड़ला और लोढ़ा परिवारों से करीबी संबंध और कारोबारी रिश्ते थे, और आप उनके सामने झुकते थे। हमारे मेयर ने सारी व्यवस्था संभाली थी। छह महीने पहले ही हमने अपोलो अस्पताल का लाइसेंस रिन्यू किया था।
- TMC ने किसी से पैसे नहीं लिए हैं। हो सकता है कुछ लोग हालात का फायदा उठाते हों, लेकिन वे अब पार्टी छोड़ चुके हैं। उनके जाने से पार्टी का ही भला हुआ है। हम पार्टी को नए सिरे से खड़ा करेंगे।
- कई लोग लंबे समय तक सत्ता का आनंद लेते रहे। अब जब हम हार गए हैं, तो वे तुरंत दूसरी पार्टी से समझौता करते दिखाई दे रहे हैं। BJP का प्रचार गोएबल्स के प्रचार से भी बदतर है। वे TMC को तोड़ नहीं सकते।
- TMC नेताओं की नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। यह झूठ फैलाया जा रहा है कि पार्टी के बड़े नेता कार्यकर्ताओं का साथ नहीं दे रहे हैं। TMC कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन के लिए घरों से बाहर तक नहीं निकलने दिया जा रहा और पार्टी कार्यालयों में भी तोड़फोड़ की जा रही है।

शपथ : अर्जुन सिंह, तपस रॉय मंत्री बने, शुभेंदु मंत्रिमंडल में अब 41 मिनिस्टर

शुभेंदु अधिकारी का कैबिनेट विस्तार, बंगाल मंत्रिमंडल में शामिल 35 नए चेहरे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सोमवार को सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। लोकभवन में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। सीएम शुभेंदु अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, 3 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 को राज्य मंत्री बनाया गया। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है। इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ

ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी। सोमवार के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट में 41 मंत्री हो गए हैं। तय सीमा के आधार पर 3 मंत्री और बनाए जा सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

बंगाल के चीफ सेक्रेटरी बने मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल सरकार ने IAS अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का नया चीफ सेक्रेटरी नियुक्त किया है। यह आदेश 11 मई 2026 को जारी हुआ और अगले आदेश तक लागू रहेगा। अग्रवाल फिलहाल चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर और होम एंड हिल अफेयर्स विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। सरकार ने कहा कि यह फैसला सार्वजनिक सेवा के हित में लिया गया है। उन्हें तुरंत नया कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम शुभेंदु ने गृह और वित्त विभाग अपने पास रखा

इससे पहले 11 मई को CM शुभेंदु ने अपने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कियाा था। इसमें निशिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन की जिम्मेदारी सौंपी गई। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग दिए गए।

संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15% तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं।

मानसून 2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा

देशभर में हीटवेव खत्म, राजस्थान के 3 जिलों में ओले गिरे

जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

न ई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। मौसम विभाग (IMD) ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरल पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है। IMD के मुताबिक अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में

भी मानसून आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने पहले अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा, लेकिन बाद में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। अब इसके जून के पहले सप्ताह में पहुंचने की संभावना है। देशभर में फिलहाल हीटवेव का असर खत्म हो गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुआवजा न मिलने पर प्रदर्शन, नारा लगाया- जो न माने झंडे से, उसे समझाओ डंडे से

डंडा हसिया लेकर किसानों ने एलडीए ऑफिस घेरा

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयवाद ने आज लखनऊ विकास प्राधिकरण ऑफिस का घेराव किया। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष किसान हसिया, लाठी और डंडा लेकर पहुंचे। जमीनों का मुआवजा समेत विभिन्न मांगों को लेकर LDA के खिलाफ नारेबाजी की। जो न माने झंडे से उसे समझाओ डंडे से नारे लगाए। किसानों की LDA के अधिकारियों के बीच नोंक झोंक हुई।

2016 में अंतिम मोहर कोर्ट के द्वारा लगी कि 4.60 पैसे सभी किसानों को दिया जाए। अब LDA

कह रहा है कि हमारे पास पर्याप्त धनराशि नहीं है, इसलिए हम मुआवजा नहीं दे पाएंगे। जमीन अधिकृत करते समय विभिन्न प्रकार की सुविधा देने की बात कही थी। उसमें मुख्य रूप से प्रत्येक परिवार को नौकरी, आवास, गांव का विकास और किसान भवन समेत तमाम चीजें शामिल थीं। सैंकड़ों बार LDA का घेराव किया , कलेक्ट्रेट गए , मुख्यमंत्री आवास के मगर कहीं भी सुनवाई नहीं हुई।

'घरों में काम करने पर मजबूर महिलाएं'

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि दौड़ते दौड़ते हम लोग परेशान हो गए हैं। शारीरिक रूप से कमजोर हो गए हैं, ना दिखाई पड़ता है, ना चल पाते हैं। फिर भी मजबूरी में बार-बार यहां आना पड़ता है। भीषण गर्मी में हम लोग छोटे-छोटे बच्चों को छोड़कर प्रदर्शन करने आ रहे हैं।

अगर हम लोगों को मुआवजा मिल जाए। चबूतरे मिल जाएं, तो छोटा-मोटा व्यापार कर लें। मुआवजा न मिलने की वजह से दूसरों के घरों में काम करना पड़ रहा है।

> **प्रदर्शन में शामिल किसान विकास ने कहा एलडीए द्वारा किए गए दावे धरातल पर लागू नहीं हुए। विगत कई सालों से लखनऊ विकास प्राधिकरण की आला अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं मगर सुनवाई नहीं हो रही है। सारी चीज हमारे पास लिखित में मौजूद हैं। फिर भी सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। हम किसानों को सरकार और अधिकारी दोनों मिलकर गुमराह कर रहे हैं।**

किसानों ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बावजूद उचित जमीनों का मुआवजा नहीं मिला है।

सालों से उचित मुआवजा नहीं मिलने का आरोप लगाया

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि 40 वर्ष पूर्व 1984 में हमारी जमीन लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अधिकृत कर ली गई थी। उस समय 84 पैसे के हिसाब से मुआवजा तय हुआ। हम लोगों ने फिर वार्ता किया, तो मुआवजा 2.5 रुपए हुआ। कुछ लोग कोर्ट चले गए। इसके बाद 4 रुपए 60 पैसे दर के हिसाब से तय हुआ।

प्रयागराज में सांसद के कार्यक्रम की बिजली काटी

संजय सिंह बोले- पेपर लीक पर बात करना गुनाह है

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह सोमवार को एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा और डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य पर भड़क उठे। संजय सिंह सर्किट हाउस में पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं को लेकर छात्रों के साथ संवाद कर रहे थे। एडीएम और डीसीपी पुलिस फोर्स के साथ कार्यक्रम रुकवाने पहुंच गए।

एडीएम सत्यम मिश्रा ने संजय सिंह से किनारे चलकर बात करने को कहा। इस बात पर संजय सिंह नाराज हो गए। उन्होंने अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई। संजय सिंह ने कहा, क्या मैं कानून व्यवस्था भंग कर रहा हूं, जो आप मुझे रोकने आए हैं। क्या पेपर लीक पर चर्चा करना गुनाह है? आपको सर्किट हाउस के अंदर आने का अधिकार ही नहीं है। अगर मैं

सार्वजनिक स्थान या सड़क पर कोई कार्यक्रम करता तो आप एक बार रोक सकते थे। सांसद के अधिकारों का हनन करना चाहते हैं। इसकी शिकायत मैं प्रिविलेज कमेटी से करूंगा। संजय सिंह अपनी कुर्सी से नहीं उठे। आखिरकार अफसर सर्किट हाउस के दूसरे कमरे में जाकर बैठ गए। संजय सिंह ने परीक्षा पर चर्चा जारी रखी। लेकिन जैसे ही वे मीडिया से बात करने के लिए बाहर निकले, हॉल की बिजली काट दी गई। पुलिस ने संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच के संयोजक पंकज पांडेय और आशुतोष पांडेय को हिरासत में लिया है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ-कानपुर रोड पर 2 घंटे प्रदर्शन

दुबग्गा। मानक नगर क्षेत्र स्थित रामनगर कॉलोनी में गंदे पानी की आपूर्ति से परेशान लोगों के सब्र का बांध टूट गया। गुस्साए लोगों ने सोमवार को लखनऊ-कानपुर रोड जाम कर दिया। कानपुर से आने वाली लेन पर अवध चौराहा से लेकर इंडियन बैंक के सामने तक जोरदार प्रदर्शन किया। घरों से बोतलों में गंदा पानी भरकर पहुंचे लोगों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में ना तो बिजली मिल रही है ।

लालबत्ती चौराहे पर सुसाइड की कोशिश

लखनऊ । लखनऊ में लालबत्ती चौराहे पर सोमवार को रोडवेज के 4 संविदाकर्मियों ने सुसाइड की कोशिश की। चारों बॉटल में पेट्रोल लेकर पहुंचे और खुद पर उड़ेलने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़कर बचा लिया। पुलिस के पूछने पर बताया कि हमारी बात नहीं सुनी जा रही है। एक निजी कंपनी में सभी संविदा चालकों-परिचालकों का विलय किया जा रहा है। गौतमपल्ली थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया- आत्मदाह का प्रयास करने वालों में औरैया के मुकेश सैनी, उन्नाव के ज्ञानेंद्र रावत, कानपुर के नितिन श्रीवास्तव और गोंडा के अभिषेक सिंह शामिल हैं।

आंधी से दीवार ढही, छात्र की मौत

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार शाम को आंधी-बारिश से रहीमाबाद क्षेत्र में दीवार ढह गई। उसके नीचे दबकर कक्षा-3 के छात्र की मौत हो गई। मोहान रोड पर देवपुरी कॉलोनी के पास पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया। हजरतगंज चौराहा समेत कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। तेज आंधी से हजरत-गंज, गोमतीनगर, सरोजनी नगर में होर्डिंग फट गए।

दोपहर करीब 3 बजे मौसम बदला था।

मंत्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने रचा इतिहास

पीएम सूर्यघर पर मिला उत्कृष्टता पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने सौर एवं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अग्रणी पहचान स्थापित की है। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम ₹पीएम सूर्य घर के दो वर्ष : एक करोड़ रूफटॉप तक सौर ऊर्जा का विस्तार₹ में उत्तर प्रदेश को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए जाने के लिए चयनित किया गया है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश

- **सौर एवं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने पर उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान**
- **पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और रिकॉर्ड उपलब्धियों के लिए केंद्र सरकार ने किया सम्मानित**

में अक्षय ऊर्जा विकास का अग्रणी मॉडल बनकर उभरा है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बंद कमरे में छात्रों से बातचीत तक की इजाजत नहीं, उत्तर प्रदेश में तानाशाही चरम पर है : संजय सिंह

'युवाओं की आवाज को प्रशासन और लाठी के दम पर नहीं दबाया जा सकता'

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रयागराज/लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित ₹पेपर लीक पर चर्चा₹ कार्यक्रम में भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और देश में लगातार हो रहे पेपर लीक ने करोड़ों युवाओं की मेहनत और सपनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीट समेत विभिन्न भर्ती और बोर्ड परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ छात्र अपनी पीड़ा साझा कर रहे थे, लेकिन प्रशासनिक अमला कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गया और पूरी ताकत लगाकर इस शांतिपूर्ण चर्चा को रोकने तथा दबाव बनाने का प्रयास किया। संजय सिंह ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए प्रदेश के सभी 75 जिलों में पेपर लीक पर चर्चा₹ अभियान चलाने तथा बाद में राजधानी लखनऊ में छात्रों के साथ बड़ा घेराव करने का ऐलान किया।

भाजपा को करोड़ों रुपये का चंदा दिया

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जिन कंपनियों को परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी दी गई, उनमें से कई पहले से ब्लैक लिस्टेड थीं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विद्युत निगम की परीक्षा और पुलिस भर्ती जैसी संवेदनशील परीक्षाओं का संचालन उन्हीं एजेंसियों को सौंपा गया जिन पर पहले सवाल उठ चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कंपनियों को भाजपा सरकार का संरक्षण प्राप्त है और इन्हें इसलिए बचाया जाता है क्योंकि इन्होंने भाजपा को करोड़ों रुपये का चंदा दिया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को जानबूझकर ऐसे हाथों में सौंपा गया जिनकी विश्वसनीयता पहले से संदेह के घेरे में रही है।

> **संजय सिंह ने 75 जिलों में पेपर लीक पर चर्चा अभियान और लखनऊ घेराव का किया ऐलान**
>
> **नीट से लेकर दरोगा, लेखपाल और पुलिस भर्ती तक भाजपा राज में लाखों युवाओं का भविष्य पेपर लीक की भेंट चढ़ गया" - संजय सिंह**
>
> **"भाजपा को चंदा देने वाली ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को परीक्षा सौंपकर युवाओं का भविष्य बर्बाद किया गया" - संजय सिंह**

पेपर लीक होने से 22 लाख छात्रों का भविष्य प्रभावित

संजय सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होने से 22 लाख छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पेपर लीक और भर्ती घोटालों का सिलसिला भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार बढ़ता गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में दरोगा भर्ती परीक्षा, वर्ष 2018 में नौका चालक भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, उत्तर प्रदेश विद्युत निगम कनिष्ठ अभियंता भर्ती तथा लोअर सबोर्डिनेट भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और अनियमितताओं के कारण प्रभावित हुईं। इसके बाद वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षा तथा उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा भी विवादों और पेपर लीक की भेंट चढ़ गईं।

आंखों की रोशनी चली गई थी, संभल में प्रेमी के साथ पकड़ी गई थी, कंधे और पेट का कुछ हिस्सा भी झुलस गया था

सोते वक्त पति पर तेजाब डालने वाली पत्नी को उम्रकैद

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। पति की आंखों में तेजाब डालने वाली पत्नी को संभल कोर्ट ने सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। उस पर 1.75 लाख का जुर्माना भी लगाया। इस मामले की कोर्ट में एक साल से ज्यादा समय में 10 सुनवाई हुईं। तेजाब के हमले से एक दिन पहले पत्नी ने पति को खाने में जहर देकर जान से मारने की कोशिश भी की थी।

27 मई को अपर जिला जज गोपाल ने पत्नी कहकशां को दोषी करार देते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामला 7 मार्च, 2025 का है। उस दिन पति मुजफ्फर अली ने पत्नी कहकशां को घर में प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था। इसके बाद कहकशां ने रात में सोते समय पति की आंखों

और चेहरे पर तेजाब डाल दिया था। इससे न सिर्फ मुजफ्फर अली का चेहरा झुलस गया था, बल्कि उसकी दोनों आंखों की रोशनी भी चली गई थी। साथ ही कंधे और पेट का कुछ हिस्सा भी झुलस गया था। उसका दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में करीब 6 महीने तक इलाज चला था। इसके बावजूद आंखों की रोशनी वापस नहीं आ सकी थी। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है। कहकशां की वकील पिंकी शर्मा ने बताया- आजीवन कारावास के फैसले से हम संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस ने मामले में 17 दिन बाद ससुराल वालों की शिकायत पर कहकशां के खिलाफ केस दर्ज किया था। इतने गंभीर अपराध में भी केस दर्ज करने में देरी क्यों हुई? इसमें साजिश है। कहकशां को लव मैरिज करने की सजा मिली है। इस केस में ऐसे कई सवाल हैं। कोर्ट में हमें बोलने का समय नहीं दिया गया। फैसले के खिलाफ हम ऊपरी अदालत में अपील करेंगे। बिजनौर के नगीना इलाके की रहने वाली कहकशां (30) ने साल-2019 में मुजफ्फर अली (35) से लव मैरिज की थी।

सजा सुनते ही फूट-फूटकर रो पड़ी कहकशां

सजा सुनते ही कहकशां कोर्ट में फूट-फूटकर रोने लगी। इसके बाद चेहरा छिपाकर कोर्ट से बाहर आई। एक महिला कॉन्स्टेबल उसके साथ रही। कोर्ट से उसे जेल भेज दिया गया। सुनवाई के दौरान कहकशां का पति मुजफ्फर अली भी अपनी मां के साथ आया था। झुलसने के कारण उसने चेहरे को तौलिए से ढंक रखा था।

एक दिन पहले खाने में दिया था जहर

विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र कुमार यादव ने बताया- तेजाब के हमले से एक दिन पहले यानी 6 मार्च, 2025 को कहकशां ने पति मुजफ्फर अली को खाने में जहर मिलाकर दिया था। इसमें कहकशां के भाई मोहम्मद अहमद, इरफान, मोहसिन और सास महरुन्निशा ने भी उसका साथ दिया था। हालांकि, इस मामले में पति ने कोई FIR नहीं दर्ज कराई थी।

उपभोक्ताओं का हक छीनने वालों को नहीं मिलेगी राहत

पेट्रोलियम कंपनियों को मंत्री की दो टूक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने पेट्रोलियम कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों, खाद्य एवं रसद विभाग के प्रमुख सचिव तथा विभागीय अधिकारियों के साथ बापू भवन कार्यालय कक्ष में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता, पारदर्शी वितरण व्यवस्था एवं उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री ने विशेष रूप से नेपाल एवं बिहार की सीमाओं से जुड़े जनपदों में पेट्रोल और डीजल की जमाखोरी तथा कालाबाजारी की प्राप्त शिकायतों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर वास्तविक उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं तथा अधिक लाभ

कमाने के उद्देश्य से तेल को अन्य राज्यों अथवा सीमावर्ती क्षेत्रों में ऊंचे दामों पर बेचे जाने की शिकायतें सामने आई हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं। मंत्री ने पेट्रोलियम कंपनियों के अधिकारियों एवं जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों की तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेट्रोल पंपों पर किसी भी प्रकार की जमाखोरी, कृत्रिम अभाव पैदा करना, घटतौली अथवा उपभोक्ताओं के साथ किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

घेराव : बोले- जितना लिखा था उससे कम नंबर मिले, पोर्टल पर बार- बार बदल रहा रिजल्ट

लखनऊ यूनिवर्सिटी में एलएलबी छात्रों का हंगामा

धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्या-लय के LLB फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स ने कैंपस में प्रशासनिक भवन का घेराव किया। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के बाहर सेमेस्टर रिजल्ट में खामियों को लेकर नारेबाजी की। छात्रों का कहना है कि जितना लिखा था उससे काफी कम नंबर मिले हैं। कॉपी को सही से चेक नहीं किया गया है। पोर्टल पर रिजल्ट बार-बार बदल रहा है।

परीक्षा नियंत्रक को इस विषय पर खुद स्पष्टीकरण देना चाहिए। जो भी गड़बड़ी कर रहे उनके खिलाफ एक्शन भी लेना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रशासनिक भवन पर LLB स्टूडेंट्स ने धरना दिया।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों ने स्टूडेंट्स को किसी तरह शांत कराया। इसके बाद कुलपति के नाम का ज्ञापन लेकर उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। छात्रों ने मांग की है कि जिन विद्यार्थियों को अपने रिजल्ट पर शक है, उनकी आंसर कॉपी की स्क्रूटनी और री-चेकिंग पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जाए। साथ ही जिन छात्रों के परिणाम में त्रुटियां पाई जाएं, उनके अंक संशोधित कर दोबारा परिणाम जारी किया जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि संशोधित परिणाम जारी होने के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के प्रावधानों के अनुरूप पात्र छात्रों को द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा का फॉर्म भरने का एक और अवसर दिया जाए, ताकि किसी भी छात्र का शैक्षणिक वर्ष प्रभावित न हो।

छात्रों ने आगामी सेमेस्टरों से 70:30 (एक्सटर्नल : इंटरनल) अंक योजना लागू करने की मांग भी उठाई है।

25 दिनों से लगा रहे विश्वविद्यालय के चक्कर

ज्ञापन में छात्रों ने कहा है कि रिजल्ट घोषित होने के बाद से वे लगातार अपनी समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से संपर्क कर रहे हैं। उनका कहना है कि 20 मई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रशासन ने चार दिनों में समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा या ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

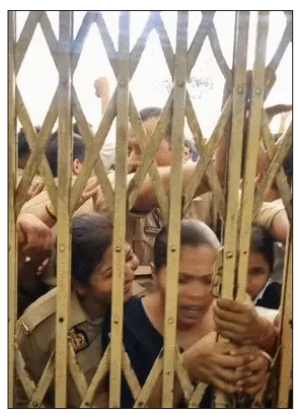

LLB फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स ने कैंपस में प्रशासनिक भवन का घेराव कर प्रदर्शन किया।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी

उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं जनसमस्याएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा उनके त्वरित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं युवाओं ने सहभागिता की। फरियादियों ने भूमि विवाद, राजस्व संबंधी प्रकरणों, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत, पेयजल, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा एवं रोजगार सहित विभिन्न विषयों से जुड़ी समस्याएं उप

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत कीं।

मौर्य ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करें तथा पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता दर्शन शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का एक सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से लोगों की वास्तविक समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा उनके समाधान की प्रक्रिया को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौर्य ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारि-कता तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसा समाधान सुनिश्चित किया जाए जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक राहत मिले और उसे बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

दिल्ली हादसे में मौत के बाद गांव पहुंचा शव, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

आईएएस बनने का सपना अधूरा छोड़ गया आलोक

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। राजधानी दिल्ली के सैदुलाजाब क्षेत्र में बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत ढहने की दर्दनाक घटना में जान गंवाने वाले सीतापुर जिले के चांदपुर गांव निवासी 24 वर्षीय आलोक वर्मा का शव सोमवार को उनके पैतृक गांव पहुंचा। जैसे ही एंबुलेंस गांव पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों की चीख-पुकार और ग्रामीणों की नम आंखों ने माहौल को

आलोक वर्मा, मृतक छात्र

गमगीन बना दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार, मित्र और शुभचिंतक अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर पहुंचे। बाद में पूरे राजकीय सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

दिल्ली में इमारत गिरने से हुआ था हादसा

जानकारी के अनुसार शनिवार को दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित सैदुलाजाब इलाके में एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक भरभराकर गिर गई थी। हादसे के समय आलोक वर्मा अन्य छात्रों के साथ भवन के समीप स्थित एक कैंटीन में मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इमारत गिरते ही उसका भारी मलबा कैंटीन पर आ गिरा, जिससे वहां बैठे कई लोग उसकी चपेट में आ गए। मलबे में दबने से आलोक वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए।

घंटों चला राहत और बचाव अभियान

हादसे की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), दमकल विभाग, दिल्ली पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने घंटों तक मलबा हटाकर लोगों को बाहर निकालने का अभियान चलाया।

बताया गया कि जिस इमारत का हिस्सा ढहा, उसमें कोचिंग सेंटर, कैफे और विभिन्न निजी कार्यालय संचालित हो रहे थे। घटना में कई लोगों के हताहत होने की पुष्टि हुई है।

> मृतक के पिता सत्यवान वर्मा ने बताया कि आलोक बचपन से ही मेधावी छात्र थे। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा आईआईटी इलाहाबाद (प्रयागराज) से पूरी की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह पिछले एक वर्ष से दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे थे और उनका सपना भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी बनने का था।

आईएएस बनने का सपना रह गया अधूरा

परिजनों के अनुसार आलोक अपने परिवार की उम्मीदों का केंद्र थे। उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा को देखकर परिवार को विश्वास था कि वह एक दिन बड़ी प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालेंगे, लेकिन एक दर्दनाक हादसे ने उनके सभी सपनों को अधूरा छोड़ दिया।

दुग्ध वाहन की टक्कर से युवती की मौत

सवारी का इंतजार कर रही बहन गंभीर घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के मानपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सड़क किनारे खड़ी युवती की मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित दुग्ध वाहन (पिकअप) दोनों बहनों को टक्कर मारने के बाद सड़क किनारे स्थित एक होटल में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के परसेहरा गांव निवासी अहमद अली अपनी पत्नी शकीला (30) और साली शीबा (18) के साथ किसी कार्य से बिसवां आए थे। देर रात को तीनों वापस गांव लौट रहे थे। इसी दौरान लालपुर कोठी चौराहे के पास सवारी के इंतजार में सड़क किनारे रुके हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उसी समय सीतापुर की ओर से आ रहा एक दुग्ध वाहन (पिकअप) अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क के काफी किनारे खड़ी दोनों बहनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बहनें गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं। वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा और पिकअप पास स्थित एक होटल में जा घुसा। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

फास्ट न्यूज

हरदोई पुलिस ने 10 साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

हरदोई। हरदोई पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह जाली दस्तावेजों पर सिम कार्ड और बैंक खाते हासिल कर ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और वेबसाइटों के जरिए लाखों रुपये की धोखाधड़ी कर रहा था। साल 2025 के साइबर फ्रॉड से जुड़े दो मामलों की जांच के दौरान यह खुलासा हुआ। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सिम कार्ड और बैंक दस्तावेज बरामद किए हैं।

सर्राफा व्यापारी पर लाखों के जेवर हड़पने का आरोप

हरदोई। हरदोई जिले के सांडी थाना क्षेत्र के चचरापुर गांव में 'आर.एस. ज्वैलर्स' का मालिक लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि व्यापारी उनके गिरवी रखे आभूषण लेकर भाग गया। सोमवार को पीड़ित ग्रामीणों ने सांडी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, चचरापुर और आसपास के कई ग्रामीणों ने अपनी घरेलू व आकस्मिक जरूरतों के लिए आर.एस. ज्वैलर्स के मालिक के पास अपने सोने-चांदी के आभूषण गिरवी रखे थे। इसके बदले उन्होंने व्यापारी से रुपये लिए थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उन्नाव। थाना माखी क्षेत्र में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहीं युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पहचान रसूलाबाद थाना आसीवन निवासी अर्पित शुक्ला (21) पुत्र रघौल शुक्ला उर्फ उमेश चंद्र के रूप में हुई है।

घर में घुसकर महिला से मारपीट का आरोप

पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई, इंस्पेक्टर बोले- जांच होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के मौरावां थाना क्षेत्र में एक महिला ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौरावां थाना क्षेत्र निवासी बबली ने अधिकारियों को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि 28 मई की सुबह कुछ लोग उसके घर पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज करने लगे। महिला का आरोप है कि जब उसने इस व्यवहार का विरोध किया, तो आरोपी आक्रोशित हो गए और जबरन उसके घर में घुस आए। पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। घटना के दौरान घर में मौजूद परिजन भी घबरा गए और आसपास के लोग मौके पर एकत्र होने लगे।

महिला ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए उसका और उसके पुत्र का मेडिकल परीक्षण कराया जाए तथा मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

परिवार की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

बबली ने अपने शिकायती पत्र में यह भी कहा कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई तो उसे और उसके परिवार को खतरा हो सकता है। उसने प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने और मामले में शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है। वहीं घायल बताए जा रहे गोलू तिवारी ने भी आरोप लगाया कि विवाद के दौरान उसके साथ मारपीट की गई थी।

उसने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कार्रवाई न होने का लगाया आरोप

पीड़िता ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस को शिकायत दिए जाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उसने यह भी कहा कि उसका और उसके पुत्र का चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल) नहीं कराया गया, जिससे मामले की निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है।

> बबली का कहना है कि शोर-शराबा सुनकर उसका पुत्र गोलू तिवारी बीच-बचाव के लिए पहुंचा। आरोप है कि आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। इस घटना में गोलू तिवारी को भी चोटें आईं। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद दोनों को शारीरिक और मानसिक रूप से काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना देकर शिकायत दर्ज कराई।

रायबरेली जिला अस्पताल, 500 से अधिक लोग पर्चा बनवाने पहुंचे

सुबह 7 बजे से लगी लंबी लाइन, अव्यवस्थाओं का बोलबाला

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली जिला अस्पताल में सोमवार को स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली सामने आई। सुबह 9 बजे पर्चा काउंटर पर मरीजों और तीमारदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे लंबी कतारें लग गईं। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा, जबकि अस्पताल प्रशासन भीड़ को नियंत्रित करने में विफल रहा। मरीजों और उनके परिजनों ने आरोप लगाया कि काउंटर पर तैनात कुछ कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों की मिलीभगत से कुछ लोगों के पर्चे अंदर से बनवाए जा रहे थे। इसके विपरीत, सामान्य मरीजों को घंटों लाइन में खड़े रहने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उनमें भारी नाराजगी देखी गई। अस्पताल में बढ़ती भीड़ के बावजूद अतिरिक्त पर्चा काउंटर की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। इसके कारण मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दवा वितरण कक्ष और ओपीडी कक्षों के बाहर भी लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे कई मरीज समय पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त नहीं कर पाए। चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक थी। अस्पताल परिसर में पर्याप्त व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं थीं, जिसके कारण परिजनों को कुछ मरीजों को सहारा देकर या जमीन पर घसीटते हुए ओपीडी तक ले जाना पड़ा। यह दृश्य अस्पताल प्रशासन की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाता है मरीजों और तीमारदारों ने यह भी बताया कि दवा वितरण कक्ष में कई आवश्यक दवाएं कई दिनों से उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाप्त हो चुकी दवाओं की समय पर आपूर्ति नहीं की जा रही है, जिसके कारण मरीजों को बाहर से महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस पूरे मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्र ने बताया कि मामले का संज्ञान हुआ है मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पुरुष अस्पताल को निर्देशित किया गया है, पर्चा बनाने को लेकर जो समस्या आ रही है उसका निराकरण किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन की अधूरी टंकियों से बढ़ी परेशानी

बाराबंकी में 6 गांवों को नहीं मिल रहा पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। श्यामनगर तेतारपुर में बनी पानी की टंकी वर्षों से अधूरी पड़ी है, जिसके कारण क्षेत्र के छह गांवों में पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। ग्रामीणों के मुताबिक, श्यामनगर तेतारपुर स्थित इस टंकी से ठाकुरपुर और रूपपुर सहित छह गांवों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाना था। हालांकि, यह योजना अब तक धरातल पर पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है। कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा है, और जहां पाइपलाइन डाली भी गई है, वहां भी घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि 'हर घर जल' का सपना अभी केवल कागजों तक ही सीमित है। भीषण गर्मी के कारण पेयजल संकट गहरा गया है, जिससे लोगों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। इससे उनकी परेशानियां काफी बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि लंबे समय से अधूरी पड़ी ये टंकियां अब क्षतिग्रस्त होने लगी हैं। टंकी की दीवारों में दरारें आ गई हैं और निर्माण में इस्तेमाल किए गए सरिये में जंग लग रही है। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया, तो सरकारी धन की बर्बादी होगी और योजना का मूल उद्देश्य भी पूरा नहीं हो पाएगा। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराकर नियमित जलापूर्ति शुरू करने की मांग की है। गांवों में बढ़ते जल संकट को देखते हुए, लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस मामले का संज्ञान लेगा और शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा, ताकि जल जीवन मिशन का लाभ वास्तव में हर घर तक पहुंच सके।

सैकड़ों लोगों ने ली नशा न करने की शपथ, सीएमओ ने दी कोटपा अधिनियम की जानकारी

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हस्ताक्षर अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जनपद में सोमवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आमजन को तम्बाकू एवं निकोटीन की लत से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देना था। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित थीम Unmasking the Appeal: Countering Nicotine and Tobacco Addiction के तहत जिला तम्बाकू नियंत्रण सेल ने जिले भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

नशामुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। सभी ने मिलकर तम्बाकू मुक्त हरदोई और स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

तम्बाकू से बढ़ रहा गंभीर बीमारियों का खतरा

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने तम्बाकू सेवन के खतरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने बताया कि धूम्रपान और अन्य तम्बाकू उत्पादों का सेवन फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और गंभीर श्वसन रोगों का प्रमुख कारण बनता है। इसके अलावा तम्बाकू का सेवन मधुमेह, दृष्टि संबंधी समस्याओं, हड्डियों की कमजोरी, की बीमारियों तथा पेट से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को भी जन्म देता है।

स्वास्थ्य संस्थानों में चला हस्ताक्षर अभियान

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय सभागार समेत जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, जिला पुरुष चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय तथा एसएस इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में विशेष हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और तम्बाकू मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

विरोध : डीएम को ज्ञापन, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, मानदेय बढ़ाने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पंचायत सहायक यूनियन उत्तर प्रदेश के बैनर तले जिले भर के पंचायत सहायकों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह को सौंपा। इस प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष ब्रजेश कुमार मिश्र ने किया।

प्रदर्शनकारियों ने मानदेय बढ़ाने, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने और सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन में शामिल पंचायत सहायकों ने बताया कि उन्हें वर्तमान में मात्र छह हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में बेहद कम है। उनका कहना था कि इतने कम मानदेय में परिवार का भरण-पोषण और दैनिक जरूरतों का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। पंचायत सहायकों ने सरकार से उन्हें स्थायी करने या न्यूनतम मजदूरी के अनुरूप मानदेय निर्धारित करने की मांग की। बिछिया ब्लॉक के पंचायत सहायक बृजेंद्र पाल ने जानकारी दी कि पंचायत सहायकों से विभिन्न विभागों के ऑनलाइन कार्य कराए जाते हैं, लेकिन इसके लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाते। उन्होंने बताया कि अधिकांश कार्य मोबाइल आधारित हैं, फिर भी विभाग की ओर से पंचायत सहायकों को मोबाइल या अन्य तकनीकी सुविधाएं नहीं मिलतीं। ऐसे में उन्हें निजी संसाधनों का उपयोग कर कार्य करना पड़ता है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। पंचायत सहायकों ने आरोप लगाया कि कई बार उनका मानदेय छह से सात माह तक रोक दिया जाता है, जबकि उनसे लगातार कार्य लिया जाता है। साथ ही, अधिकारियों द्वारा काम न करने पर हटाने की चेतावनी और नोटिस जारी किए जाने का दबाव भी बनाया जाता है। इस स्थिति में पंचायत सहायकों को बिना मानदेय प्राप्त किए भी कार्य करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान पंचायत सहायकों ने घोषणा की कि वे तत्काल प्रभाव से पंचायतों से संबंधित मोबाइल आधारित कार्य बंद कर देंगे। गार्डन में विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में पंचायत सहायक मौजूद रहे और अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

> प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे इससे पहले भी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। पंचायत सहायकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे।

मेधावी छात्रों का सम्मान

प्रदेश टॉपर को मिला एक लाख रुपये का पुरस्कार, डीएम ने कहा- पूरे राज्य का गौरव

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में सोमवार को विकास भवन सभागार में मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की योजना के तहत हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपद के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए, साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री की प्रेरणा और मार्गदर्शन में जनपद स्तर पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं समाज और प्रदेश का गौरव हैं, और उनका सम्मान अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस अवसर पर बोर्ड परीक्षाओं में जनपद स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कुल 29 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इनमें हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र के साथ 21-21 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, जनपद के एक छात्र को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिसने प्रदेश स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त कर उन्नाव का नाम रोशन किया। इस छात्र को एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि को छात्र और पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय बताया। मारोह के दौरान, अधिकारियों ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने जोर दिया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता और कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी उपस्थित रहे। अपने बच्चों को सम्मानित होते देख अभिभावकों के चेहरे पर गर्व की भावना स्पष्ट दिखी। सम्मान पाने वाले विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालयों को दिया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना और अन्य छात्रों को भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहा।

सम्पादकीय

बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के तत्काल बाद जो हिंसा हुई थी और जिसमें भाजपा एवं तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर हमले किए थे, वह करीब-करीब थम गई थी, लेकिन पिछले दिनों जिस तरह टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ और गत दिवस इसी पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी भी भीड़ के आक्रोश एवं पथराव का शिकार हुए, वह कोई शुभ संकेत नहीं। इस सिलसिले को रोका ही जाना चाहिए। यह स्वाभाविक है कि अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी के साथ गुस्साई भीड़ ने जो धक्कामुक्की एवं मारपीट की, उसे तृणमूल कांग्रेस एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन हालिया चुनाव के बाद जो हिंसा देखने को मिली, उसकी तुलना उस भीषण अराजकता से नहीं की जा सकती, जो पिछले विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद देखने को मिली थी। उस समय तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं-नेताओं और उनके समर्थकों ने विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा के उन लोगों पर कहर बरपाया था, जिनके बारे में उन्हें शक था कि उन्होंने ममता की पार्टी को वोट नहीं दिया। वह अराजकता इतनी भयावह एवं आतंकित करने वाली थी कि कई लोगों को अपनी जान बचाने के लिए असम में जाकर शरण लेनी पड़ी थी। यदि तब ममता बनर्जी ने उस हिंसा को गंभीरता से लिया होता और उस पर रोक लगाने की कोशिश की होती तो शायद आज जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह नहीं दिखता। यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि ममता बनर्जी ने अपने शासन में कानून एवं व्यवस्था को कलंकित करने वाली उस हिंसा से पल्ला झाड़ लिया था। उन्होने ऐसा ही उसके बाद की राजनीतिक हिंसा के मामले में भी किया। बंगाल के बारे में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यहां राजनीतिक एवं चुनावी हिंसा का एक लंबा दौर रहा है। एक तरह से राजनीतिक एवं चुनावी हिंसा बंगाल की राजनीतिक संस्कृति बन गई है। भाजपा को प्राथमिकता के आधार पर हिंसा की इस संस्कृति को खत्म करना होगा। उसे ऐसा इसके बावजूद करना होगा कि इस बार हिंसा का वैसा भयावह रूप देखने को नहीं मिला है। भाजपा सरकार को न केवल पुलिस-प्रशासन को आवश्यक निर्देश देने होंगे, बल्कि अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को यह संदेश देना होगा कि किसी भी तरह की हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। बंगाल में हर स्तर पर वास्तविक सुधार के लिए यह आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है कि कानून एवं व्यवस्था को ठीक करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इससे ही राज्य सही तरह से पटरी पर आएगा। कोई भी राज्य सही तरह से तभी आगे बढ़ता है, जब वहां कानून एवं व्यवस्था नियंत्रित होती है।

करणी में अन्तर

हम देख सकतें है कि जिनके व्यवहार क्रिया और सम्भाषण में मधुरता होती है, उन्हें सभी प्यार करते हैं। संसार में शुभ कर्म और उपकार वही करते हैं, जिनका स्वभाव मधुर होता हैं । संवेदना मानवीय व्यवहार की सर्वोत्तम सर्वोत्कृष्ट अनुभूति है। हमारा चिंतन स्वस्थ होगा तो मन भी स्वस्थ होगा। वह मन स्वस्थ होगा तो फिर जीवन स्वस्थ होगा । स्वस्थता, स्वस्थता को बढ़ाती जाती है और वही स्वस्थ जीवन जीने की कला को बलशाली और संकल्पशाली बनाती है । हमारी दुनिया में अलग- अलग स्तर, अलग - अलग दृष्टिकोण वाले और अलग- अलग भुमिकाओं पर जीने वाले आदमी होते हैं । कुछ लोग मिथ्यात्वी - मिथ्या दृष्टि वाले होते हैं तो कुछ सम्यक्तवी सम्यक् दृष्टि वाले होते हैं । वह दोनों ही प्रवृत्ति करते हैं परन्तु दोनों की प्रवृत्ति में अन्तर होता हैं । हम मनुष्य सामाजिक प्राणी होने के नाते हर किसी का कर्तव्य है कि दूसरे से अच्छे व्यवहार की अपेक्षा करने से पहले खुद, सबसे अच्छा व्यवहार करें। पर आज सब चाहते हैं हम जीते, हम ही जीते। बड़े बुजुर्गों की बात काट कर खुश हो जाते हैं । अभिमान से अपनी छोटी -छोटी करनी पर बखान ऐसे करते हैं मानो जैसे हिमालय जीत लिया हो। वह यदि कोई कार्य रुक रहा हो तो कुछ ले देकर काम करवा लेते हैं पर यदि कोई दूसरा करता है तो दोषारोपण करते हैं। महावीर, बुद्ध ,नानक आदि - आदि ने सबसे पहले अपने आचार विचार आदि को ठीक किया और साबित किया कि सद्आचरण के सहारे व्यक्ति जीवन में ऊंचाई की तरफ बढ़ सकता है। वह यदि इनके उपदेशों को सुनने के बजाय अपने जीवन में उतारें तो हम भी ऊंचाइयों की तरफ बढ़ सकते हैं। आचार्य श्री भिक्षु का एक सिद्धान्त हैं मिथ्यात्वी की करणी , मिथ्यात्वी की भी धार्मिक करणी मोक्ष की देश आराधिका होती हैं । वह इस सन्दर्भ में जैनों में कुछ मतभेद भी हैं । मिथ्यात्वी की करणी और सम्यक्तवी की करणी में बहुत अंतर होता हैं । हमारी मान्यता के अनुसार मिथ्यात्वी कोई भी करणी कर ले , उसके संवर धर्म नहीं होता हैं । वह संवर धर्म होगा तो सम्यक्तवी के ही होगा । यह दोनों की करणी में बहुत बड़ा अन्तर हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

> एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे।

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है। मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है।

ललित गर्ग

तकनीकी सेवा देने...

राजेश श्रीवास्तव

एनटीए की कीमत पर कितनें छात्रों का जीवन तबाह करेगी सरकार

अभी नीट पेपर लीक की चर्चा और तबाही मन.मस्तिष्क से मिटी भी नहीं थी कि शनिवार को पूरे देश भर में आयोजित सीयूईटी यूजी परीक्षा को लेकर देशभर में एनटीए की फजीहत शुरू हो गयी। बार.बार एजेंसी की नाकामियों से छात्रों का भरोसा टूट रहा है। अब एनटीए ने सीयूईटी यूजी री.एग्जाम को लेकर जरूरी सूचना दी है जो ३० मई को पहली शिफ्ट में तकनीकी गड़बड़ी के बाद हुआ था। देश की दो सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाएं नीट यूजी और सीयूईटी यूजी आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ;एनटीएद्ध ने एक बार फिर छात्रों और अभिभावकों को निराश किया है। नीट पेपर लीक में एनटीए की बड़ी नाकामी का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि अब सीयूईटी यूजी में फजीहत झेलनी पड़ रही है। ३० मई को सीयूईटी यूजी में हुई तकनीकी गड़बड़ी को लेकर एनटीए माफी मांग रही है। साथ ही छात्रों के लिए खास व्यवस्था के साथ री.एग्जाम कराने की बात कही है।

दरअसलए अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवारए ३० मई २०२६ को सीयूईटी यूजी एग्जाम देने उम्मीदवार एग्जाम देने पहुंचेए लेकिन कई एग्जाम सेंटर पर काफी देर इंतजार करने के बाद भी पहली शिफ्ट का एग्जाम शुरू नहीं हो पाया। कई स्टूडेंट्स का कहना है कि कई परीक्षा केंद्रों पर अचानक कंप्यूटर फ्रीज हो गए और सर्वर ठप पड़ गया। तकनीकी सेवा देने वाली कंपनी स्टीसीएस आईओएनष् के सिस्टम में आई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से परीक्षा समय पर शुरू नहीं हो सकी। उम्मीदवार काफी देर तक कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठे मानसिक तनाव और असमंजस से जूझते रहे। काफी देर तक तकनीकी गड़बड़ी से जूझ रहे तीन हजार से ज्यादा छात्र बिना एग्जाम दिए एग्जाम सेंटर छोड़कर चले गए। हालांकि बहुत देर तक चली अफरा तफरी के बाद परीक्षा फिर से शुरू हुई। इसके बाद दूसरी शिफ्ट का पेपर 3 बजे के बजाय 4 बजे से शुरू हुआ। छात्रों की परेशानी को लेकर एनटीए ने कॉलेज में एडमिशन की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों से माफी मांगी है। एनटीए कहाए श्आज पहलेए कुछ सेंटर्स पर एक तकनीकी गड़बड़ी हुई जिससे शिफ्ट 1 शुरू होने में देरी हुई। हम जानते हैं कि यह तनावपूर्ण थाए और इससे हुई परेशानी के लिए हम माफी चाहते हैं.ष् एनटीए ने साथ ही तकनीकी सेवा प्रदाताए टीसीएस से कहा है कि वह इस गड़बड़ी के मूल कारण का विश्लेषण करे और अपनी रिपोर्ट तुरंत जमा करे। जो उम्मीदवार ३० मई की पहली शिफ्ट में पेपर दिए बिना घर चले गए थेए एनटीए उनके लिए स्पेशल री.एग्जाम आयोजित करेगा। एनटीए ने कहा किए ज्यादातर उम्मीदवार ;लगभग 95ः द्ध परीक्षा फिर से शुरू होने के बाद उसे पूरा कर पाए। हम समझते हैं कि 3ए765 उम्मीदवार जो मौजूद थे और जिन्होंने बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन पूरा कर लिया थाए उन्होंने परीक्षा फिर से शुरू होने से पहले ही सेंटर छोड़ दिया। इन उम्मीदवारों के लिएए एनटीए एक विशेष व्यवस्था के तहत परीक्षा दोबारा आयोजित करेगा। नई तारीख और अन्य जानकारी अलग से घोषित की जाएगी।

सवाल यह है कि एनटीए ऐसी ही और कितनी गलतियां करेगी और कितनी बार माफी मांगेगा। एजेंसी ने माना कि गलती हुई है लेकिन गलती मानने से होगा क्याण् जिन बच्चों ने एग्जाम हाल में बैठकर वापसी की राह पकड़ीए उसकी भरपाई कौन करेगा। आखिर एनटीए में कौन है जिसको सरकार इतनी फजीहत होने और झेलने के बाद भी बचाने की कोशिश कर रही है। आखिर कितने और बच्चों को अपने बलिदान की इबारत लिखनी होगी। कितनी और परीक्षाएं लीक होते सरकार देखना चाहती है कितनी परीक्षाओं को निरस्त होते देखना चाहती है। अब आम लोग भी एनटीए को श्नेवर टेस्टिंग एजेंसीष् की संज्ञा देने लगे हैं। नीट और सीबीएसई परीक्षाओं की अव्यवस्था इस पूरे हफ्ते चर्चा में रहीं। नीट के लीक पर विपक्ष शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रहा है। वहींए दूसरी तरफ ये लीक का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जवाबदेही तय किए बिना ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी। कोर्ट ने छात्रों और परिवारों की पीड़ा पर चिंता जताई। ये नाकामी है सरकार की। हालात ये पहुंच गए हैं कि जहां सिविलियन इंस्टीट्यूशन्स हैं जिनकी जिम्मेदारी है एग्जामिनेशन कंडक्ट करना और वो आपने वो बनाए भी उस तरह के इंस्टीट्यूशंस हैं और लेकिन वहां पे आपको अब एयरफोर्स की मदद लेकर पेपर ड्रॉप करने की स्थिति आपकी पैदा हो गई है।

अपनी सांस्कृतिक विरासत जुड़कर बरेली में उभरने लगे नाथ नगरी के रंग

उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उसे आधुनिक विकास से जोड़ने के प्रयासों के तहत बरेली का नाथ कॉरिडोर इस समय एक बेहद महत्वपूर्ण और दूरगामी परियोजना के रूप में आकार ले रहा है। अयोध्या और काशी जैसी सांस्कृतिक नगरियों के वैश्विक पुनरुद्धार के बाद अब प्रदेश सरकार प्राचीन नाथ परंपरा के ऐतिहासिक केंद्र बरेली के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को नए सिरे से स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस समय करीब साठ करोड़ रुपए से अधिक की लागत से इस महत्वाकांक्षी योजना पर काम चल रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य सदियों पुराने धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कर वहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करना है। बरेली के चारों कोनों और मध्य क्षेत्र में फैले प्राचीन शिव मंदिरों को एक सुव्यवस्थित सर्किट के रूप में जोड़कर न केवल आस्था के केंद्रों को नया स्वरूप दिया जा रहा है, बल्कि इस पूरे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को बदलने की भी मजबूत आधारशिला रखी जा रही है। विकास और विरासत के इस अनूठे समन्वय से बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में सुधार के कार्य चल रहे हैं, जो आने वाले समय में समूचे जनपद के लिए प्रगति के नए द्वार खोलने का काम कर रहे हैं। इस पूरी कार्ययोजना के तहत बरेली के सात ऐतिहासिक और पौराणिक शिव मंदिरों को आपस में जोड़कर एक सुदृढ़ कनेक्टिविटी तंत्र का निर्माण किया जा रहा है, जिससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की दूरी कम हो रही है। लगभग नौ सौ तीस वर्ष पुराने अलखनाथ मंदिर परिसर में इस समय व्यापक स्तर पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिनमें एक आधुनिक वैदिक लाइब्रेरी और भव्य मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य शामिल है। इसी प्रकार बाबा त्रिवटी नाथ जी मंदिर में नवदुर्गा मंदिर भवन और विशाल सत्संग हॉल के साथ-साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की विशेष व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। तपेश्वर नाथ मंदिर में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अंडरपास और सड़कों के चौड़ीकरण की योजना पर काम चल रहा है, जिस पर बड़े पैमाने पर वित्तीय निवेश किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त मढ़ीनाथ, धोपेश्वर नाथ, वनखंडी नाथ और पशुपतिनाथ मंदिरों में एकीकृत विकास नीति के तहत यात्री विश्राम गृह, परिक्रमा मार्ग, आकर्षक एलईडी लाइटिंग, व्यवस्थित प्रसाद केंद्र और डिजिटल सूचना बोर्ड स्थापित करने के कार्य गति पकड़ रहे हैं। इन बुनियादी बदलावों से न केवल आम दिनों में बल्कि सावन के पवित्र महीने में आने वाले लाखों कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सकेगा। इस पूरी परियोजना को धरातल पर उतारने में जिला प्रशासन और विभिन्न विकास प्राधिकरणों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण दिखाई दे रही है, जो आपसी समन्वय से चौबीसों घंटे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति की निगरानी कर रहे हैं। कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख चौराहों को भगवान शिव के प्रतीकों जैसे त्रिशूल और डमरू की थीम पर कलात्मक रूप से सजाया जा रहा है, जिससे शहर में प्रवेश करते ही एक अनूठा आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही एक बड़े और भव्य मुख्य स्वागत द्वार का निर्माण किया जा रहा है, जो इस पावन नगरी की ऐतिहासिक पहचान को रेखांकित करता है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कॉरिडोर के भीतर केवल इलेक्ट्रिक बसों और ई-रिक्शा जैसे पर्यावरण-अनुकूल वाहनों के संचालन को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि क्षेत्र में प्रदूषण मुक्त वातावरण बना रहे।

जरा हटके

उत्तर प्रदेश लंबे ...

प्रवीण मालवीय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा क्रांति

भारत आज ऊर्जा के क्षेत्र में एक नए युग की ओर बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या, तेजी से बढ़ती बिजली की मांग और पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक चुनौतियों के बीच स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई "प्रधानमंत्री सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना" देश में ऊर्जा क्रांति का आधार बन रही है। वहीं उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह योजना अभूतपूर्व सफलता प्राप्त कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की दूरदर्शी नीतियों, बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और जनकल्याणकारी सोच के कारण उत्तर प्रदेश आज देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है जहां रूफटॉप सोलर ऊर्जा का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह योजना केवल बिजली बिल कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों को "ऊर्जा उत्पादक" बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त करने का कार्य भी कर रही है।

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक बिजली संकट, कटौती और बढ़ती ऊर्जा मांग जैसी चुनौतियों से जूझता रहा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में बड़े सुधार हुए हैं। गांवों से लेकर शहरों तक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, नए विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना, ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार और रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति जैसी उपलब्धियों ने प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में नई पहचान दी है। अब "सूर्य घर योजना" इस परिवर्तन को नई ऊंचाई दे रही है। प्रदेश सरकार ने इस योजना को केवल एक सरकारी योजना के रूप में नहीं, बल्कि "ऊर्जा आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश" के मिशन के रूप में आगे बढ़ाया है। राज्य सरकार लगातार लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करना है। इसके माध्यम से आम नागरिक अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन कर सकते हैं और हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 3 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर 78,000 तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रु0 30 हजार के अतिरिक्त सहयोग से यह सब्सिडी 1,08,000 तक पहुंच जाती है। इससे मध्यम वर्ग और सामान्य परिवारों के लिए सोलर सिस्टम लगाना बेहद आसान हो गया है। मा.मुख्यमंत्री जी ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवेदन प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

आज उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां सूर्य घर योजना को लेकर लोगों में सबसे अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है। राजधानी लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, आगरा, बरेली जैसे शहरों में लाखों घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग तेजी से इस योजना से जुड़ रहे हैं। पहले जहां गांवों में बिजली बिल एक बड़ी चिंता हुआ करता था, वहीं अब लोग अपनी छतों से बिजली उत्पादन कर आत्मनिर्भर बनने लगे हैं। प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के विस्तार को समान प्राथमिकता दे रही है।राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है।

सूर्य घर योजना का सबसे बड़ा लाभ आम जनता को मिल रहा है। लगातार बढ़ते बिजली बिलों से परेशान परिवारों के लिए यह योजना राहत का बड़ा माध्यम बनकर सामने आई है। एक सामान्य 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम प्रतिमाह लगभग 300 से 450 यूनिट बिजली उत्पन्न कर सकता है। इससे उपभोक्ताओं के बिजली बिल में भारी कमी आ रही है।नेट मीटरिंग व्यवस्था के माध्यम से अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजा जा रहा है, जिससे भविष्य के बिलों में और अधिक राहत मिलती है।

सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल मंचों पर लोग इस योजना की खुलकर सराहना कर रहे हैं। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि सब्सिडी मिलने के बाद सोलर सिस्टम की लागत लगभग 4 से 5 वर्षों में निकल आती है, जबकि इसके बाद अगले 20 से 25 वर्षों तक लगभग मुफ्त बिजली का लाभ मिलता है।यह योजना केवल आर्थिक बचत का माध्यम नहीं है, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान भी है। प्रदेश सरकार का ध्येय है कि प्रदेश का हर परिवार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को स्वयं पूरा कर सके। सौर ऊर्जा केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। पारंपरिक बिजली उत्पादन में कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधनों का उपयोग होता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पति पर तेजाब फेंकने वाली पत्नी को उम्रकैद

सुनवाई

संभल कोर्ट ने लगाया 1.75 लाख रुपये का जुर्माना

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। पति की आंखों में तेजाब डालने वाली पत्नी को संभल कोर्ट ने सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। उस पर 1.75 लाख का जुर्माना भी लगाया। इस मामले की कोर्ट में एक साल से ज्यादा समय में 10 सुनवाई हुईं। तेजाब के हमले से एक दिन पहले पत्नी ने पति को खाने में जहर देकर जान से मारने की कोशिश भी की थी।

27 मई को अपर जिला जज गोपाल ने पत्नी कहकशां को दोषी करार देते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामला 7 मार्च, 2025 का है। उस दिन पति मुजफ्फर अली ने पत्नी कहकशां को घर में प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था। इसके बाद कहकशां ने रात में सोते समय पति की आंखों और चेहरे पर तेजाब डाल दिया था।

मुजफ्फर ने बताया था कि मेरे सोने के बाद कहकशां मार्केट गई और तेजाब खरीद लाई। फिर सोते समय ही अचानक मेरे चेहरे पर तेजाब उड़ेल दिया। इससे मेरा चेहरा झुलस गया। बचने के लिए मैं भागा, तो कहकशां बाल्टी में तेजाब लेकरमेरे पीछे दौड़ी। मग से दोबारा मेरे चेहरे और शरीर पर तेजाब फेंक दिया। किसी तरह पड़ोसियों ने मुझे जिला अस्पताल पहुंचाया।

- तेजाब हमले के बाद पति मुजफ्फर अली का चेहरा और आंखें झुलस गई थीं। कंधे और पेट पर भी तेजाब की छींटें पड़े थे।
- दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में 6 महीने इलाज के बाद भी मुजफ्फर अली की आंखों की रोशनी वापस नहीं आई।
- संभल कोर्ट से उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद पुलिस कहकशां को जेल ले गई। इस दौरान वह दुपट्टे से अपना चेहरा छिपाए रही।

सजा सुनते ही फूट-फूटकर रो पड़ी कहकशां

सजा सुनते ही कहकशां कोर्ट में फूट-फूटकर रोने लगी। इसके बाद चेहरा छिपाकर कोर्ट से बाहर आई। एक महिला कॉन्स्टेबल उसके साथ रही। कोर्ट से उसे जेल भेज दिया गया। सुनवाई के दौरान कहकशां का पति मुजफ्फर अली भी अपनी मां के साथ आया था।

झुलसने के कारण उसने चेहरे को तौलिए से ढंक रखा था।

एक दिन पहले खाने में दिया था जहर

विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र कुमार यादव ने बताया- तेजाब के हमले से एक दिन पहले यानी 6 मार्च, 2025 को कहकशां ने पति मुजफ्फर अली को खाने में जहर मिलाकर दिया था।

इसमें कहकशां के भाई मोहम्मद अहमद, इरफान, मोहसिन और सास महरुन्निशा ने भी उसका साथ दिया था। हालांकि, इस मामले में पति ने कोई FIR नहीं दर्ज कराई थी।

दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में 6 महीने इलाज के बाद भी मुजफ्फर अली की आंखों की रोशनी वापस नहीं आई।

कहकशां की वकील बोलीं- उसे लव मैरिज की सजा मिली

कहकशां की वकील पिंकी शर्मा ने बताया- आजीवन कारावास के फैसले से हम संतुष्ट नहीं हैं। पुलिस ने मामले में 17 दिन बाद ससुराल वालों की शिकायत पर कहकशां के खिलाफ केस दर्ज किया था। इतने गंभीर अपराध में भी केस दर्ज करने में देरी क्यों हुई? इसमें साजिश है। कहकशां को लव मैरिज करने की सजा मिली है। इस केस में ऐसे कई सवाल हैं।

बेटे को कमर से बांधकर टॉवर पर चढ़ी रेप पीड़िता

गोंडा में बोली- रेपिस्ट अरेस्ट नहीं हुआ, डीएम के मनाने पर 6 घंटे बाद उतरी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। गोंडा में सोमवार को एक रेप पीड़ित महिला अपने 3 साल के बेटे को पीठ पर बांधकर 80 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। उसका आरोप था कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर रही। महिला के टॉवर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ लग गई। एडीएम, एएसपी समेत कई अफसर पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। महिला को नीचे उतरने के लिए समझाने लगे। अफसरों ने महिला की आरोपी की मां से भी बात कराई, लेकिन वह नहीं मानी। करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद डीएम प्रियंका निरंजन ने महिला से बात की। उनके आश्वासन पर महिला बेटे के साथ नीचे उतरी। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि महिला तरबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। सोमवार सुबह करीब 9 बजे वह रघुकुल विद्यापीठ स्कूल के दूसरे गेट से परिसर में दाखिल हुई। फिर वहां लगे मोबाइल टॉवर के पास पहुंची। इसके बाद अपने बेटे को साड़ी के सहारे कमर में बांधकर टॉवर पर चढ़ गई। करीब 50 फीट ऊंचाई पर जाकर वह बैठ गई। यह टॉवर डीएम आवास से करीब 100 मीटर दूर है। इसी बीच, किसी ने टॉवर पर चढ़ी महिला को देख लिया।

- महिला अपने बेटे को साड़ी के सहारे कमर से बांधकर धीरे-धीरे टॉवर पर चढ़ गई।

फास्ट न्यूज

पंचायत सहायकों ने मानदेय वृद्धि

हरदोई। हरदोई में पंचायत सहायकों ने मानदेय वृद्धि, सेवा नियमावली बनाने और विभागीय सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। तो 15 जून को लखनऊ स्थित ईको गार्डन में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। सोमवार को पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन के बैनर तले पंचायत सहायकों ने पंचायती राज विभाग के निदेशक को संबोधित ज्ञापन जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) को सौंपा।

आंधी-तूफान में महिला की मौत

जालौन। जालौन में बीते गुरुवार को आए तेज आंधी-तूफान के दौरान हुई एक महिला की मौत के बाद प्रशासन ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की है। दैवीय आपदा के तहत मृतका के परिजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। जानकारी के अनुसार उरई कोतवाली क्षेत्र के उमराखेड़ा निवासी सुखदेई पत्नी बाबूलाल की गुरुवार को आए तेज आंधी-तूफान के दौरान छत से गिरकर मौत हो गई थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन ने इसे दैवीय आपदा मानते हुए राहत सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की।

बिना अनुमति बरगद का पेड़ काटा

अम्बेडकरनगर। जलालपुर तहसील क्षेत्र में निजी भूमि पर खड़े एक बरगद के पेड़ को कथित रूप से बिना अनुमति काटे जाने का मामला सामने आया है।

पीड़ित ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, काटी गई लकड़ी भी उसे दिलाए जाने की गुहार लगाई है।

अयोध्या में बड़े भाई ने छोटे को पीट-पीटकर मार डाला

टॉयलेट को लेकर चल रहा था विवाद, चारपाई के पाटे से हमला किया

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में पारिवारिक विवाद में दो भाई आपस में भिड़ गए। दोनों में जमकर गाली -गलौज हुई। गुस्से में बड़े भाई ने चारपाई के पाटे से छोटे भाई पर हमला कर दिया। उसे तब तक पीटता रहा जब तक की उसकी मौत नहीं हो गई। आवाज सुनकर छोटे भाई की पत्नी बचाव करने के लिए आई। जेठ ने उसके साथ भी मारपीट की। महिला जब घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी तो आरोपी भाई भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को इलाज और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके बाद आरोपी और उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर थाने लेकर आई। यहां उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना थाना कैंट इलाके की है। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया-

- राधेश्याम की पत्नी के पैर में फ्रैक्चर हो गया है। जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मौजीराम यादव (60) ककरही बाजार, चौकी हसनू कटरा के रहने वाले हैं। वह पत्नी मीना (58) और बेटा घनश्याम(24) के साथ पुस्तैनी मकान में रहते हैं। ये मकान उसके पिता के नाम पर है। पास में उनका दूसरा मकान है। वह मां के नाम पर है। उसमें राधेश्याम यादव (30) अपनी पत्नी के साथ रहता था।

यूपी के 63 जिलों में बारिश का अलर्ट

झांसी में बरसात, संभल में आंधी से पेड़-पोल उखड़े, प्रदेश में 5 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला जारी है। सोमवार सुबह लखनऊ, आगरा समेत 25 से ज्यादा जिलों में बादल छाए रहे। धीरे-धीरे धूप निकल आई। हालांकि, हवा में नमी की वजह से गर्मी से राहत है। झांसी और ललितपुर में तेज बारिश हुई। संभल में धूलभरी आंधी चली। 50 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। देवरिया में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, आज 63 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। पिछले 4 दिन में आंधी-बारिश के चलते पारा 8°C लुढ़ककर 40°C तक पहुंच गया। कहीं भी हीटवेव (लू) नहीं चल रही है। अगले 5 दिन यानी 6 जून तक मौसम ऐसा ही रहेगा। बारिश होती रहेगी। रविवार को बलिया, मुरादाबाद समेत 20 से ज्यादा जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। अमरोहा में ओले गिरे। लखनऊ में 10 साल के बच्चे पर दीवार गिर गई। लखीमपुर खीरी में 7 साल के बच्चे की जान चली गई। रामपुर में टिनशेड उड़कर बाइक सवार युवक पर गिर गया।

"लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नम हवाओं से यूपी में मौसम बदल गया है। 28 मई से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आंधी-बारिश के हालात बने हुए हैं। अगले 5-6 दिन तक तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी रहेगा। ओले भी गिर सकते हैं। पश्चिमी यूपी और तराई क्षेत्रों में तूफान का खतरा सबसे ज्यादा है। गर्मी और लू से राहत बरकरार रहेगी।

देवरिया में आंधी-बारिश से पेड़ गिरे, बिजली गिरने से एक महिला की मौत

देवरिया में रविवार शाम आंधी और बारिश से कई पेड़ गिर गए। लार, भाटपाररानी, बनकटा, भागलपुर समेत कई क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरी। इस दौरान एक महिला की मौत हो गई। झांसी में बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह से आसमान में काले बादल छाए हैं। रुक-रुककर लगातार बारिश हो रही है।

यूपी में अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम? जानिए

- **2 जून:** पश्चिमी यूपी में गरज चमक के साथ हल्की बारिश के आसार है। पूर्वी यूपी में मौसम साफ रहेगा। गर्मी से राहत बरकरार रहेगी।
- **3 जून:** पश्चिमी यूपी में बादल छाए रहेंगे। बिजली चमकेगी। हल्की बारिश के आसार है। पूर्वी यूपी में मौसम साफ रहेगा।
- **4 जून:** पूर्वी और पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हवी में नमी की वजह से गर्मी से राहत बरकरार रहेगी।
- **5 जून:** पूरे प्रदेश में बादल छाए रहेंगे। ठंडी हवाएं चलेंगी। हल्की बारिश होगी। पारे में 3 डिग्री की गिरावट आएगी।
- **6 जून:** ज्यादातर जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं। हवा में नमी की वजह से मौसम ठंडा रहेगा। लू नहीं चलेगी।

हर-हर महादेव और "बम-बम भोले" के जय घोष से गूंजा महादेवा परिसर

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल लोधेश्वर महादेव मंदिर में पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के तीसरे सोमवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। रविवार की रात से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था, जो सोमवार दिन भर निरंतर जारी रहा। हाथों में गंगाजल, फल-फूल एवं पूजन सामग्री लिए श्रद्धालु ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बम-बम भोले₹ के जयघोष के साथ बाबा लोधेश्वर के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करते रहे। मंदिर परिसर और आसपास का पूरा क्षेत्र शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु साष्टांग दंडवत परिक्रमा करते हुए अपने आराध्य के दर्शन के लिए पहुंचे। कठिन मार्ग और लंबी दूरी तय करने के बावजूद श्रद्धालुओं के चेहरों पर थकान का नामोनिशान

नहीं था। परिक्रमा पूर्ण कर जलाभिषेक और दर्शन-पूजन करने के बाद श्रद्धालु अत्यंत प्रसन्न और उत्साहित दिखाई दिए। विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और छोटे-छोटे बच्चों का उत्साह देखने लायक था। परिवार के साथ आए श्रद्धालु साष्टांग दंडवत करते हुए बाबा लोधेश्वर के दरबार तक पहुंचे और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। चारों दिशाओं से आए श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से जलाभिषेक कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। तीसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं व्यवस्था के प्रबंध किए गए थे। तहसील रामनगर के उपजिलाधिकारी आनंद कुमार तिवारी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत के निर्देशन में तहसील एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मंदिर परिसर, गर्भगृह और मेला क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंदिर के गर्भगृह के भीतर अतिरिक्त थाना प्रभारी रामनगर सुभाष चंद्र यादव तथा महादेव चौकी प्रभारी रजनीश कुमार पांडेय स्वयं मौजूद रहकर श्रद्धालुओं को सुरक्षित जलाभिषेक कराने और व्यवस्थित रूप से बाहर निकलवाने में जुटे रहे। वहीं थाना प्रभारी रामनगर अरुण प्रताप सिंह लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। मंदिर प्रांगण एवं मेला क्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन चलता रहा।

आईपीएल का फाइनल मैच देखने की बात कहकर रुके थे, भाई ने कहा- लूटपाट हुई

नवाबगंज में कोचिंग संचालक का खून से लथपथ मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में कोचिंग के अंदर संचालक का खून से लथपथ शव मिला। वह रविवार रात को IPL मैच का फाइनल देखने की बात कहकर कोचिंग में रूके थे। सोमवार सुबह जब छात्र कोचिंग पहुंचे तब घटना की जानकारी हुई। छात्रों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कोचिंग संचालक के चेहरे पर चोट के निशान मिले। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। वहीं घटना की सूचना पर भाई विकास गुप्ता पहुंचे। उन्होंने कहा- मेरे भाई की लूटपाट के बाद हत्या की गई है। पूरा मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र का है। उनका कई साल पहले पत्नी से तलाक हो चुका है। मृतक के पास से पर्स और घड़ी बरामद हुई है, पर्स में 15 हजार कैश मिला है।

10 साल से लिए थे कोचिंग इंस्टीट्यूट की फ्रेंचाइजी

यशोदा नगर के रहने वाल प्रकाश चंद्र गुप्ता (47) डाटा एक्सपर्ट कोचिंग इंस्टीट्यूट चलाते थे। नवाबगंज के विष्णुपुरी में उनके पास 10 साल से कोचिंग की फ्रेंचाइजी थी। छोटे भाई विकास गुप्ता ने बताया- रविवार शाम को भाई ने प्रकाश चंद्र गुप्ता ने फोन किया। उन्होंने कहा- आज गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच IPL मैच का फाइनल है।

"छोटे भाई विकास गुप्ता ने बताया- जब मैं कोचिंग पहुंचा तो देखा ऑफिस का सामान टूटा पड़ा था। उसे घसीटकर अंदर कमरे में ले जाया गया है। चेन और ब्रेसलेट के साथ फोन गायब है। उसके आंख और मुंह पर चोट है। पूरा चेहरा नीला पड़ा है। मुझे लूटपाट का कारण लग रहा है।

- नवाबगंज में कोचिंग संस्थान में जांच करतीं एडीसीपी सेंट्रल डॉ अर्चना सिंह व एसीपी कर्नलगंज।
- छात्र-छात्राओं से पूछताछ करते पुलिस अधिकारी।

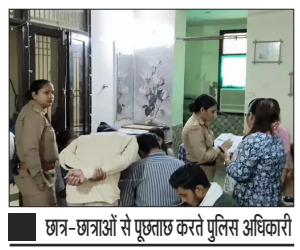

छात्र-छात्राओं से पूछताछ करते पुलिस अधिकारी

आंख के ऊपर मिले चोट के निशान

डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कोचिंग संचालक की एक आंख के ऊपर चोट का निशान था, मुंह से खून बह रहा था। कोचिंग संचालक डायबिटीज के मरीज थे और शराब के लती थे।

कब्जा : एस.डी.एम. ने नोटिस चिपकाया, सोम बोले- जिहादी भूल गए सरकार किसकी

एनकाउंटर में ढेर असद के घर पर बुलडोजर चलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या के आरोपी असद के घर पर बुलडोजर चलेगा। सोमवार को प्रशासन की टीम असद के घर पहुंची। घर के गेट पर ताला लगा था। इसके बाद एसडीएम ने अवैध कब्जा करके घर बनाने का नोटिस दरवाजे पर चिपकाया। इसमें कहा गया कि जिस जमीन पर मकान बना है, उस पर अवैध कब्जा किया गया है। असद के पिता नवाब को 15 दिनों के भीतर एसडीएम कार्यालय में अपना जवाब

देना होगा। साथ ही अवैध कब्जा खुद हटाने के लिए भी कहा गया है। खोड़ा नगर पालिका के चेयरमैन पति और पूर्व सपा विधायक अमरपाल शर्मा ने कहा कि सूर्या के बड़े भाई को नौकरी दी जाएगी। अगर घर पर किसी तरह का टैक्स लगता होगा, तो वह माफ होगा। इसके अलावा किसी सड़क या चौराहे के नाम सूर्या के नाम पर रखा जाएगा। वहीं, झांसी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अगर हिंदू एक होगा तो कोई बाल भी बांका नहीं कर सकेगा। योगी की पुलिस ने ने जो किया, बहुत अच्छा किया। दरअसल, बकरीद के दिन (28 मई) असद ने सूर्या की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। रविवार (31 मई) तड़के पुलिस ने असद को एनकाउंटर में मार गिराया था। पुलिस ने साजिश रचने के आरोप में असद के पिता नवाब समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पांचवां आरोपी अभी फरार है। हत्या के 5वें दिन भी खोड़ा में पुलिस फोर्स तैनात है बोर्ड बैठक में प्रस्ताव लाया जाएगा। जिससे किसी सड़क या चौराहे के नाम सूर्या के नाम पर होगा। उन्होंने कहा- सूर्या के साथ यह बहुत ही दुखद घटना हुई है।

"भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने सोमवार को सूर्या की मां से मुलाकात कर उन्हें एक लाख की मदद दी। सोम ने कहा- खोड़ा में एक-एक आदमी ने 50- 50 मकान खरीद रखे हैं। कहां से पैसा आया, इसकी जांच होगी। जिहादी भूल गए कि प्रदेश में किसकी सरकार है? जिहादियों का ठीक से फन दबा दिया जाएगा। अगर किसी ने पलायन कराने की कोशिश की, तो उसी का यहां से पलायन करा दिया जाएगा।

असद का शव आधी रात दफनाया गया

असद का शव रविवार रात पोस्टमॉर्टम के बाद सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। पुलिस ने बताया कि असद के चाचा की मौजूदगी में शव को दफनाया गया।

हालांकि, पुलिस ने सिक्योरिटी कारणों से जगह और समय का खुलासा नहीं किया। खोड़ा नगर पालिका के चेयरमैन पति और पूर्व विधायक सपा नेता अमरपाल शर्मा ने कहा- नगर पालिका की तरफ से परिवार के सदस्य को तुरंत नौकरी दी गई। मुखिया के तौर पर बड़े भाई को नौकरी दी जाएगी। अगर घर पर किसी तरह का टैक्स लगता होगा, वो सम्पूर्ण माफ होगा।

प्रेमिका ने ब्लेंडर मशीन से काटे प्रेमी के हाथ-पैर

यू-ट्यूब पर सर्च किया 302 में कितनी सजा होती है

तमसा संकेत, एजेंसी

फतेहपुर। फतेहपुर में प्रेम-प्रसंग में पति-पत्नी ने एक युवक का मर्डर कर दिया। दोनों ने पहले लकड़ी की फंटी से सिर पर हमला करके उसकी हत्या की। उसके बाद ब्लेंडर मशीन और आरी से उसके हाथ-पैर काटे। उसके बाद शव को कानपुर नगर के रेउना क्षेत्र के जंगल में ले जाकर जला दिया गया।

हालांकि शव पूरी तरह से जल नहीं पाया। युवक को मारने के बाद दोनों ने यू-ट्यूब पर यह भी सर्च किया कि 302 के केस में कितनी कठोर सजा मिलती है और सजा से कैसे बचा जा सकता है। ये मामला प्रेम-प्रसंग का है। पुलिस ने सोमवार को हत्या का खुलासा करते हुए दोनों पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। फतेहपुर के बकेवर थाना क्षेत्र के टिकरा गांव के रहने वाले विजय निषाद का अफेयर हमीरपुर में रहने वाली कुरारा थाना क्षेत्र के मनकी गांव की किरन देवी से चल रहा था। दोनों 1 साल से साथ थे। किरन देवी विवाहित है। जब किरन के पति कामता प्रसाद को इस बारे में पता चला तो उसने विरोध किया। वह अपनी गुजरात की नौकरी छोड़कर वापस आ गया। जिसके बाद दोनों ने विजय को मारने का प्लान बनाया। पुलिस के अनुसार, 8 मई को किरन ने विजय को फोन कर घर बुलाया। जहां पर उसने पति के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी।

हरियाणवी डांस शो देखा, 2016 में धर्मेंद्र यादव से तलाक, 3 दिन पहले दूसरी शादी की

मोनिका यादव पति संग नौचंदी मेला पहुंचीं

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव की पूर्व पत्नी मोनिका यादव शादी के बाद रविवार को पहली बार मेरठ पहुंचीं। वह पति गौरव चौधरी के साथ नौचंदी मेला देखने गईं तो वहां बुके देकर उनका स्वागत किया गया। मोनिका लाल रंग की साड़ी में नजर आईं। उन्होंने पति के साथ मशहूर हरियाणवी कलाकार रेणुका पवार का डांस शो देखा।

बाद में दोनों ने मेला घूमा। लोगों से मुलाकात की। दरअसल, मोनिका ने गुरुवार (28 मई) को मेरठ के जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा नेता गौरव चौधरी के साथ हिमाचल में सात फेरे लिए थे। यह मोनिका की दूसरी शादी है। शादी

में दोनों का परिवार मौजूद रहा था।

मोनिका इस वक्त भाजपा में हैं। वह फर्रुखाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। मोनिका का आजमगढ़ सांसद धर्मेंद्र यादव से 2016 में तलाक हो चुका है। गौरव भी अपनी पूर्व पत्नी को तलाक दे चुके हैं। यानी, दोनों की ये दूसरी शादी है। एक साल से दोनों में बातचीत चल रही थी। उनकी पहली मुलाकात CM आवास में हुई थी। बाद में दोनों एक-दूसरे के नजदीक आ गए। मोनिका यादव ने कहा- आज मुझे मेरठ के ऐतिहासिक नौचंदी मेले में आने का मौका सिर्फ चौधरी साहब (गौरव चौधरी) की वजह से मिला है। गौरव ने कहा- मेरा मोनिका को इस मेले में लाने का मकसद यह है कि वह हमारी पौराणिक संस्कृति को जान सकें। बिजनेस शिखर पर था, लेकिन साल 2021 में अचानक मेरठ की माटी की खुशबू उन्हें भारत खींच लाई।

2027 में चुनाव लड़ने पर गौरव ने कहा- अभी हम दोनों जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभा रहे हैं। हम दोनों ही भाजपा के कार्यकर्ता हैं। पार्टी जो भी आदेश देगी, उसी के अनुसार काम करेंगे।

मोनिका के पिता मुलायम सिंह के खास रहे

मोनिका पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव की बेटी हैं। नरेंद्र सिंह यादव 6 बार विधायक रहे। मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 1985 में कांग्रेस के टिकट पर पहला चुनाव जीता था। बाद में समाजवादी पार्टी के गठन के दौरान वे मुलायम सिंह के साथ चले गए। नरेंद्र के पिता राजेंद्र सिंह यादव भी बड़े राजनेता रहे हैं। वह प्रजा समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में एक थे। उन्होंने यूपी सरकार में मंत्री के तौर पर भी काम किया था। वे फर्रुखाबाद के शमशाबाद और मोहम्मदाबाद सीट से सात बार विधायक चुने गए थे। मोनिका परिवार की तीसरी पीढ़ी की सदस्य हैं।

2021 में मोनिका यादव ने छोड़ी थी सपा

मुलायम से नजदीकी संबंधों की वजह से नरेंद्र सिंह ने बेटी मोनिका की शादी अखिलेश के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव के साथ की थी। हालांकि, शादी के कुछ ही दिनों बाद दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। 2016 के पंचायत चुनाव में मोनिका उम्मीदवार बनाई गईं।

लेकिन, पार्टी की अंदरूनी राजनीति की वजह से हार गईं। इसी बीच धर्मेंद्र ने मोनिका को तलाक दे दिया और दूसरी शादी कर ली। 2021 के पंचायत चुनाव में उन्होंने समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा।

मथुरा में पुलिस पर हमला करने पर 7 पर एफआईआर

शादी के दौरान विवाद की सूचना पर मौके पर पहुंची थी

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। नरहौली गांव में शादी समारोह के दौरान हुए विवाद और पुलिस पर हमले के मामले में थाना हाईवे पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे थे और पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस के मुताबिक 21 मई 2026 को नरहौली गांव में एक शादी समारोह के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम को भी लोगों के विरोध और पथराव का सामना करना पड़ा। मामले में थाना हाईवे में मुकदमा संख्या 485/2026 दर्ज किया गया था, जिसमें गंभीर धाराओं के

साथ सीएलए एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। रविवार को मुखबिर की सूचना मिलने पर थाना हाईवे पुलिस ने नरहौली गांव में दबिश देकर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में गुल्ला उर्फ भगवान-दास सिंह (65), जवाहर सिंह (23), जय सिंह (27), अंकित (19), विष्णु (26), शिवकांत (18) और जीतू उर्फ जितेंद्र (32) शामिल हैं। सभी आरोपी नरहौली गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। मुख्य आरोपी गुल्ला उर्फ भगवान-दास सिंह पर हत्या के प्रयास, मारपीट, विद्युत चोरी, दहेज उत्पीड़न और पुलिस पर हमले जैसे गंभीर आरोपों से जुड़े करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। वहीं अन्य आरोपियों पर भी मारपीट, चोरी, एनडीपीएस एक्ट और आयुध अधिनियम के तहत मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। थाना हाईवे पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फास्ट न्यूज

वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर युवती से अभद्रता करने वाला गिरफ्तार

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में बाइक सवार युवकों द्वारा परिक्रमा कर रही युवती के साथ अभद्रता करने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी का एक वीडियो सामने आया था। थाना वृंदावन कोतवाली इलाके के परिक्रमा मार्ग पर महिलाओं से छेड़छाड़ करते हुए वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सड़क हादसे में कैटरिंग कर्मी की मौत

हरदोई। हरदोई में लखनऊ-पलिया हाईवे पर मन्नापुरवा पॉवर हाउस के पास रविवार देर रात एक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में 30 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने रातभर शव की शिनाख्त का प्रयास किया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान की। शव देखकर परिजन बदहवास हो गए। दोपहर के समय शव का पोस्टमार्टम हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कोतवाली शहर के सराय थोक पश्चिमी निवासी अंकित उर्फ श्यामजी के रूप में हुई है।

बिना अनुमति बरगद का पेड़ काटा

अम्बेडकरनगर। जलालपुर तहसील क्षेत्र में निजी भूमि पर खड़े एक बरगद के पेड़ को कथित रूप से बिना अनुमति काटे जाने का मामला सामने आया है।

कोतवाली जलालपुर क्षेत्र के ग्राम गुआपाकड निवासी राजेंद्र प्रसाद पुत्र मेवालाल ने उपजिलाधिकारी जलालपुर को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह मौजा जैनापुर स्थित गाटा संख्या 1522 की भूमि के भूमिधर हैं।

एक अरब से अधिक की जमीन कब्जामुक्त

जूल भूमि से प्रशासन ने हटाया अवैध कब्जा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के खैराबाद कस्बे में सोमवार सुबह प्रशासन ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए नजूल भूमि पर अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान लगभग 100 बीघा से अधिक सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया गया, जिसकी अनुमानित कीमत एक अरब रुपये से अधिक बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात रही। जानकारी के अनुसार खैराबाद के जोशी टोला और करनपुर क्षेत्र में नजूल भूमि पर बसपा सरकार में मंत्री रहे बुनियाद अंसारी के पुत्र जुनैद और अन्य इश्तियाक द्वारा लंबे समय से अवैध कब्जा कर रखा गया था। करीब 100 बीघा भूमि पर बाउंड्री वॉल बनाकर सरकारी जमीन को घेर

लिया गया था। प्रशासन ने जेसीबी और बुलडोजर की मदद से बाउंड्री वॉल को ध्वस्त करते हुए पूरी भूमि को कब्जामुक्त कराया। इसके अलावा कमाल सराय क्षेत्र में शफीकुननिशां द्वारा लगभग 3000 वर्ग फीट नजूल भूमि पर कब्जा किए जाने का मामला भी सामने आया। इस भूमि पर छह दुकानें निर्मित थीं, जबकि कुछ हिस्सा खाली पड़ा हुआ था। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए दुकानों सहित अन्य अवैध निर्माणों को हटाकर जमीन को अपने कब्जे में ले लिया।

पिता बोले- विधायक ने सरकारी मदद बताकर चेक दिया, जिपलाइन से गिरकर हुई थी बेटे की मौत

'10 लाख नहीं चाहिए, जिम्मेदारों को सजा मिले'

- 30 मई को कुनाल का परिवार डीएम से मिलने पहुंचा था। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई थी।
- अग्रवाल महासभा ने भी डीएम को ज्ञापन दिया था। पीड़ित परिवार को 50 लाख मुआवजा दिलाने की मांग की थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। 'विधायक ने मुझे 10 लाख रुपए चेक दिया। कहा कि आगरा विकास प्राधिकरण की ओर से आर्थिक मदद दी जा रही है। मैं ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं हूं। इसलिए चेक ले लिया। जब पत्नी ने चेक देखा तो उस पर दिल्ली की कंपनी का नाम था। हम लोगों ने चेक लेने से इनकार कर दिया। हमें रुपए नहीं चाहिए। जो हत्या के जिम्मेदार हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए।' ये कहना है आगरा में जिपलाइन झूले से गिरकर जान गंवाने वाले 16 साल के कुनाल अग्रवाल के पिता पंकज अग्रवाल का। 24 मई को कुनाल चौपाटी में

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हादसे के बाद जिपलाइन को तत्काल बंद नहीं किया गया। कई लोगों को राइड कराई जाती रही। समिति ने माना है कि घायल कुनाल को मौके पर प्राथमिक उपचार नहीं दिया गया।

जिपलाइनिंग का हुक टूटने की वजह से 45 फीट ऊंचे झूले से गिर गया था। हादसे के वक्त माता-पिता और भाई वहीं मौजूद थे। छोटा भाई वीडियो बना रहा था।

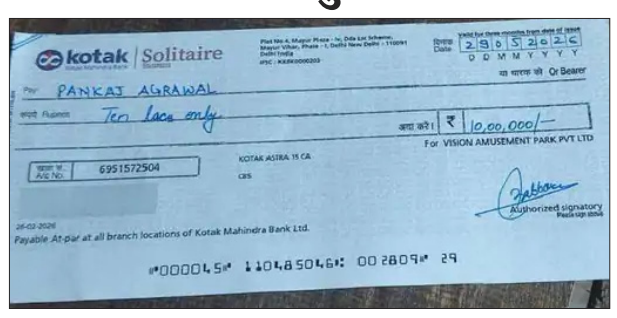

10 लाख के चेक पर विजन एम्युसमेंट पार्क प्रा. लिमिटेड लिखा था।

30 मई को परिवार डीएम से मिला था, बेटे को याद कर रोईं मां

इस बीच, कुनाल के माता-पिता ने कंपनी के मालिकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर 29 मई को ही डीएम आगरा से मुलाकात की थी। वो बेटे को याद करते हुए रो पड़े थे। मां रिंकी अग्रवाल ने रोते हुए कहा था- जिपलाइन से गिरने के बाद हम काफी देर तक एडवेंचर कंपनी के कर्मचारियों से मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। उन्होंने डीएम से कहा- मेरा बच्चा करीब 2 घंटे तक तड़पता रहा। जब मदद नहीं मिली तो हम उसे ऑटो से अस्पताल लेकर पहुंचे। अगर मौके पर एंबुलेंस या फर्स्ट-एड की व्यवस्था होती, तो शायद मेरा कुनाल बच जाता। हमें न्याय चाहिए। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए, ताकि किसी और मां की गोद यूं सूनी न हो।

2 भाइयों समेत 3 की मौत, पांच लोग घायल, बिहार से राजस्थान के चुरू जा रहे थे

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कंटेनर से टकराई कार

- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हादसे में क्षतिग्रस्त कार को पुलिस ने थाने में खड़ी करा दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

फतेहाबाद, आगरा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि 5 लोग घायल हो गए। मरने वालों में दो भाई हैं। हादसे की सूचना के बाद यूपीडा टीम के साथ पुलिस पहुंची। गाड़ी के शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला। परिवार के लोग बिहार से

राजस्थान लौट रहे थे। कार में ड्राइवर के साथ 8 लोग सवार थे। बताया गया कि रात में ड्राइवर को झपकी आने लगी। तभी आगे कार आगे चल रही कंटेनर से टकरा गया। रविवार रात पौने 2 बजे एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 36 के फतेहाबाद थाना क्षेत्र में हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि किया सेल्टोस का आगे का हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। गाड़ी की आधी छत तक उखड़ गई। हादसे में शंकर कुमार और सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल प्रीति ने भी बाद में दम तोड़ दिया। रविवार रात जैसे ही करीब दो बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36.950 पर पहुंचते ही तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार कंटेनर के पिछले हिस्से में पूरी तरह घुस गई। हादसे के बाद कंटेनर ड्राइवर करीब 50 मीटर तक कार को घसीटता हुआ ले गया। घटना की जानकारी होने पर कंटेनर ड्राइवर ने ब्रेक लगाकर गाड़ी रोकी और फरार हो गया। हादसे में परमिला, राजू, कार चालक सोहेब ,पूजा कुमारी, अयाश गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि शंकर कुमार, सुनील कुमार और प्रीति की मौत हो गई।

आधे घंटे के रेस्क्यू के बाद फंसे लोगों को निकाला गया

सूचना पर प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र और यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधा मोहन द्विवेदी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाइड्रा मशीन बुलानी पड़ी। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक एक महिला सहित तीन लोगों की मौके पर मौत हो चुकी थी।

50 मीटर तक कार को घसीटता ले गया कंटेनर

पुलिस के मुताबिक, राजस्थान के चूरू के रहने वाला सोहेब पुत्र सलीम कार चला रहा था। कार में सवार सभी लोग बिहार से राजस्थान लौट रहे थे। कार में परमिला (31), पूजा कुमारी (32), राजू (35), अयांश (3), शंकर कुमार, सुनील कुमार और प्रीति सवार सहित कुल आठ लोग सवार थे। परिवार चुरु के ही खाटू श्याम मंदिर में डीजे बजाने का काम करता है।

जर्जर स्कूल भवन बुलडोजर से किए ध्वस्त

बच्चों की सुरक्षा के लिए 41 भवन चिन्हित, अभियान जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पिसावां विकास खंड में जर्जर और असुरक्षित विद्यालय भवनों के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार दोपहर ग्राम पंचायत बरम्भौला स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के अत्यंत जर्जर भवन को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया गया। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत पिसावां ब्लॉक के विभिन्न गांवों में खतरनाक और अनुपयोगी स्कूल भवनों को चिन्हित कर उन्हें गिराया जा रहा है। बरम्भौला में यह कार्रवाई ग्राम प्रधान हरिनाम की देखरेख में संपन्न हुई। प्रशासन का कहना है कि भवन की हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि वह कभी भी हादसे का कारण बन

सकता था। कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी पिसावां द्वारा जारी सूची के अनुसार विकास खंड में कुल 41 विद्यालय भवनों को जीर्ण-शीर्ण और असुरक्षित पाया गया है।

इनमें बरम्भौला के अलावा मुदाकलां, बरमाऊ कलां, फखरपुर, बेहतगौड़ और सलहपुर समेत कई गांवों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश सिंह के निर्देशानुसार ध्वस्त किए गए भवनों से निकलने वाले मलबे और ईंटों का पूरा विवरण स्टॉक पंजिका में दर्ज किया जाएगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

भारत और अमेरिका ...

इसके साथ ही दोनों पक्ष व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) के तहत मार्केट एक्सेस, नॉन-टैरिफ मेजर्स, कस्टम्स, ट्रेड फैसिलिटेशन, इन्वेस्टमेंट प्रमोशन और इकोनॉमिक सिक्योरिटी एलाइनमेंट जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बातचीत को आगे बढ़ाएंगे। दोनों देशों ने 7 फरवरी को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के रूप में एक अंतरिम समझौते के ढांचे को अंतिम रूप दिया था। इसके तहत अमेरिका भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकर 18% करने पर सहमत हुआ था। साथ ही, रूसी तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर लगे 25% टैरिफ को हटा दिया गया था और बचे हुए 25% को घटाकर 18% किया जाना था। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत लगाए गए भारी रेसिप्रोकल टैरिफ के खिलाफ फैसला सुना दिया। इसके बाद ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10% का समान टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। इस बड़े बदलाव के कारण फरवरी में होने वाली वार्ता टल गई थी। बाद में अप्रैल (20 से 23 अप्रैल) में भारतीय टीम ने वाशिंगटन का दौरा किया था, और अब अमेरिकी टीम बातचीत को आगे बढ़ाने भारत आई है। दोनों देशों ने 7 फरवरी को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के रूप में एक अंतरिम समझौते के ढांचे को अंतिम रूप दिया था। इसके तहत अमेरिका भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकर 18% करने पर सहमत हुआ था। साथ ही, रूसी तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर लगे 25% टैरिफ को हटा दिया गया था और बचे हुए 25% को घटाकर 18% किया जाना था। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत लगाए गए भारी रेसिप्रोकल टैरिफ के खिलाफ फैसला सुना दिया। इसके बाद ट्रंप ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10% का समान टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। बदले हुए माहौल में दोनों देशों को इस डील का दोबारा री-कैलकुलेशन करना होगा।

कॉकरोच जनता ...

अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत AAP के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। एक इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि उन्होंने निजी जिंदगी और आर्थिक स्थिरता के लिए AAP छोड़कर बोस्टन यूनिवर्सिटी में अप्लाई किया था। एडमिशन मिल गया, तो वे अमेरिका शिफ्ट हो गए।अभिजीत किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर X अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट का ने 29 मई को कॉकरोच जनता पार्टी क X अकाउंट से बैन हटाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने सरकार और X से 4 हफ्ते में जवाब मांगा। दिल्ली हाईकोर्ट में दिपके ने CJP का X अकाउंट ब्लॉक किए जाने को चुनौती दी है। इस पर जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की बेंच ने कहा कि सरकार का पक्ष सुने बिना ऐसा आदेश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि मामले के व्यापक प्रभाव और दूरगामी परिणाम हैं। अगली सुनवाई 6 जुलाई को होगी। CJP राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य (सटायर) पर आधारित पहल है। अगर कुछ पोस्ट आपत्तिजनक हैं, तो सिर्फ उन्हें ब्लॉक किया जा सकता है। पूरे अकाउंट को बंद करना सही नहीं है। पहले भी ऐसे मामलों में अदालतें राहत दे चुकी हैं और कुछ अकाउंट बहाल हुए हैं। फिलहाल सिर्फ नोटिस जारी किया जा सकता है। इस मामले में कानून अभी शुरुआती दौर में है। ब्लॉकिंग ऑर्डर की वजह अभी साफ नहीं है। न याचिकाकर्ता ने ब्लॉकिंग ऑर्डर देखा है, न कोर्ट ने। जिन पुराने मामलों का हवाला दिया गया, वे अलग थे। वहां कुछ पोस्ट विवादित थीं, यहां पूरे अकाउंट की गतिविधियों पर सवाल है।

टीएमसी विधायकों ...

पार्टी ने आज अपने दो विधायकों संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किया है। दोनों पर पार्टी के खिलाफ बयान देने और बैठकों से दूर रहने के आरोप हैं। पार्टी से निकाले जाने के बाद संदीपन साहा ने TMC पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी में नैतिकता की बात करना ही एंटी-पार्टी गतिविधि माना जाता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे किसी अन्य पार्टी में शामिल होंगे, तो उन्होंने कहा- नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। मैं इसके बारे में क्यों सोचूंगा? पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि फर्जी साइन मामले में अभिषेक बनर्जी को भेजा गए CID नोटिस में भाजपा सरकार या पार्टी का कोई दखल नहीं है। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अधिकारी ने कहा- कुछ लोगों को यह बदले की कार्रवाई लग सकती है, लेकिन हमें ऐसा कुछ करने की जरूरत नहीं है। बाद में जांच CID को सौंप दी गई। CID ने इस मामले में TMC महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को जांच में शामिल होने और प्रस्ताव की ऑरिजिनल कॉपी पेश करने के लिए नोटिस भेजा था।

शुभेंदु अधिकारी का ...

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फिलहाल यह 3 पद खाली ही रहेंगे। अशोक कीर्तनिया को खाद्य एवं आपूर्ति, सहकारिता विभाग दिया गया। क्षुदीराम टूडू को जनजातीय विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गृह मंत्रालय समेत अन्य सभी मंत्रालय अपने पास रखे हैं। 4 मई को 293 सीटों के नतीजे आए। भाजपा को 207 सीटें मिलीं। TMC सिर्फ 80 पर सिमट गई। राज्य में कुल 294 विधानसभा सीट हैं, एक सीट फालता पर 21 मई को दोबारा मतदान हुआ। यहां भी भाजपा उम्मीदवार ने जीत हासिल की। इसके साथ ही भाजपा की राज्य में अब 208 सीटें हो गईं।

मानसून 2-3 दिन...

राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में सोमवार को ओलावृष्टि हुई। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में आंधी और बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर में तेज बारिश हुई, जबकि 63 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी है। बिहार के सासाराम में भी दोपहर बाद बारिश हुई। वहीं झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पंजाब समेत 27 राज्यों में हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि इस साल देश में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। पूरे सीजन में बारिश लॉन्ग पीरियड एवरेज (LPA) का लगभग 90% रहने का अनुमान है। LPA यानी लॉन्ग पीरियड एवरेज किसी क्षेत्र में 30 से 50 सालों के दौरान हुई औसत बारिश को कहा जाता है। भारत में 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मानसून की औसत बारिश 87 सेंटीमीटर मानी जाती है। IMD का कहना है कि इस साल कम बारिश की एक बड़ी वजह अल नीनो हो सकती है। अल नीनो एक मौसमीय स्थिति है, जिसके दौरान प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इसका असर भारत के मानसून पर पड़ता है और अक्सर बारिश कम होती है। फिलहाल प्रशांत महासागर में स्थिति धीरे-धीरे अल नीनो की ओर बढ़ रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जून में एल नीनो कमजोर रह सकता है, लेकिन सितंबर तक यह मध्यम या मजबूत रूप ले सकता है। राजस्थान में लगातार दो दिन रेत के बवंडर के बाद सोमवार को भी आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने के कारण सोमवार सुबह सवाई माधोपुर और आसपास के इलाके में बारिश हुई। जयपुर, दौसा जिलों में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून को 20 जिलों में यलो अलर्ट है। इसका असर 4 जून तक रहेगा।

बेंगलुरु पुलिस की एडवाइजरी के बाद फैसला, पिछले साल भगदड़ में 11 मौतें हुई थीं

आरसीबी जीत के बाद विक्ट्री परेड नहीं करेगी

फैसला

अहमदाबाद, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने लगातार दूसरी बार IPL खिताब जीतने के बावजूद बेंगलुरु में विक्ट्री परेड नहीं निकालने का फैसला किया है।

RCB के एक सूत्र ने बताया कि शहर में सार्वजनिक समारोहों को लेकर पहले से लागू दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। बेंगलुरु में किसी बड़े समारोह की संभावना नहीं है। बेंगलुरु ने रविवार को अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। टीम ने लगातार दूसरे साल IPL खिताब जीता है।

4 जून 2025 को पहला IPL खिताब जीतने के बाद फ्रेंचाइजी ने जल्दबाजी में विक्ट्री परेड की थी। इस दौरान भगदड़ मचने से 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। 2 दिन पहले डीके शिवकुमार को कर्नाटक का नया CM बनाने का ऐलान किया गया था। उनका शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन इसी हफ्ते होना है। यह कार्यक्रम लोक भवन में शाम 4:10 बजे आयोजित होगा। RCB की जीत के बाद बेंगलुरु पुलिस ने देर रात एडवाइजरी जारी की। RCB की जीत के बाद बेंगलुरु पुलिस ने देर रात एडवाइजरी जारी की।

यह तस्वीर RCB ने सोशल प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट की। इसमें कप्तान रजत पाटीदार और विराट कोहली डबल विक्ट्री का इशारा कर रहे हैं।

पिछले साल RCB की IPL विक्ट्री परेड में फैंस की भीड़ चिन्नास्वामी के बाद एकत्रित हो गई थी और भगदड़ मच गई थी।

कई प्लेयर्स नेशनल टीम से जुड़ने वाले हैं

RCB के कई प्लेयर्स को नेशनल टीमों से जुड़ना है। देवदत्त पडिक्कल को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम से जुड़ना है, जबकि जोश हेजलवुड, टिम डेविड, जैकब डफी और रोमारियो शेफर्ड भी अपनी-अपनी नेशनल टीम से जुड़ेंगे।

> बेंगलुरु पुलिस ने पहले ही एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की थी कि फाइ की जीत की स्थिति में सड़क पर जश्न, पटाखेबाजी, हुड़दंग या किसी तरह की अव्यवस्था न फैलाएं। पुलिस ने स्पष्ट किया था कि सार्वजनिक स्थानों पर विजय उत्सव की अनुमति नहीं दी जाएगी और लोग चाहें तो घरों या निजी स्थानों पर जश्न मना सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी को जल्द मिलेगा इंडिया डेब्यू का मौका?

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने पर बधाई दी। आईपीएल 2026 के फाइनल मैच में आरसीबी ने जीटी को 5 विकेट से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल फाइनल मैच में विराट कोहली के बल्ले से नाबाद 75 रन निकले और उनकी पारी ने आरसीबी को दूसरी बार आईपीएल चैंपियन बनाया। दरअसल, आरसीबी के अलावा बीसीसीआई के सचिव ने युवा सेंसेशन 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के सीजन में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनकी तारीफ की। बिहार के युवा बैटर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए धमाकेदार परफॉर्म किया, जहां उन्होंने पूरे सीजन 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए।

15 साल और 65 दिन की उम्र में वैभव ने आईपीएल में नया रिकॉर्ड बनाया। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। इससे पहले ये रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन के नाम रहा, जिन्होंने 23 साल और 231 दिन की उम्र में साल 2025 में ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। शुभमन गिल ने साल 2023 में 23 साल और 263 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी। खिताबी मैच के बाद रिपोर्ट्स से बातचीत करते हुए देवजीत सैकिया ने वैभव सूर्यवंशी के टीम इंडिया डेब्यू की बढ़ती मांग पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि वैभव एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनका भविष्य काफी उज्जवल है।

> बीसीसीआई के एक बयान ने करोड़ों भारतीयों का जीता दिल

आरसीबी फैंस को झटका!

आईपीएल 2026 ट्रॉफी जीतने की विक्ट्री परेड बेंगलुरु में नहीं होगी

नई दिल्ली। आरसीबी ने जीटी को आईपीएल 2026 फाइनल में हराकर लगातार दूसरे आईपीएल सीजन ट्रॉफी अपने नाम की। आरसीबी के लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बावजूद बेंगलुरु में विक्ट्री परेड नहीं निकालने का फैसला लिया गया। आरसीबी के एक सूत्र ने बताया कि शहर में सार्वजनिक समारोहों को लेकर पहले से लागू-निदर्शों का पालन किया जाएगा। बता दें कि फ्रेंचाइजी ने विक्ट्री परेड नहीं निकालने का फैसला पिछले साल हुई भगदड़ के बाद लिया है, जिससे फैंस की भारी भीड़ इकट्ठा होने से बचा जा सके।

दरअसल, 4 जून 2025 को आरसीबी ने आईपीएल का पहला खिताब जीता और इस खिताबी जीत के बाद फ्रेंचाइजी ने जल्दबाजी में विक्ट्री परेड की थी। इस दौरान भगदड़ मची और कुल 11 मासूमों ने जान गंवाई। ऐसे में ये माना जा रहा है कि पिछले आईपीएल सीजन मची भगदड़ की वजह से आरसीबी की टीम इस सीजन विक्ट्री परेड नहीं निकाल रही है।

इसके अलावा दो दिन पहले डीके शिवकुमार को कर्नाटक का नया मुख्यमंत्री बनाने का एलान किया गया था। उनका 3 जून को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन होना है। यह कार्यक्रम लोक भवन में शाम 4 बजकर 15 मिनट से आयोजित होगा। यह जगह चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास है और कार्यक्रम में राज्य भर से काफी लोगों के आने की उम्मीदें हैं, जिसमें कई दिग्गज भी शामिल हो सकते हैं। इसके कारण पुलिसकर्मियों की तैनाती ज्यादा होगी और इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए आरसीबी मैनेजमेंट ने यह फैसला लिया है कि बेंगलुरु में सार्वजनिक भीड़ इकट्ठा करने से बचा जाए। आईपीएल 2026 फाइनल मैच में आरसीबी के दिग्गज विराट कोहली ने एक बार बल्ले से यह साबित किया कि उन्हें क्यों 'चेज मास्टर' कहा जाता है।

कोहली की फास्टेस्ट फिफ्टी, सूर्यवंशी ने सीजन में सबसे ज्यादा 72 सिक्स लगाए

पाटीदार ने धोनी और रोहित की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 रिकॉर्ड्स वाला सीजन साबित हुआ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतकर इतिहास रचा। कप्तान रजत पाटीदार ने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के खास क्लब में जगह बना ली। वे लगातार दो ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे कप्तान बने। फाइनल में विराट कोहली ने अपने IPL करियर की सबसे तेज फिफ्टी लगाकर जीत दिलाई। दूसरी ओर, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने एक सीजन में 72 सिक्स लगाकर क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया और एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ी भी बने। इस सीजन बल्लेबाजों ने मिलकर रन बनाने का नया इतिहास भी रच दिया।

बेंगलुरु सबसे ज्यादा ट्रॉफी जीतने वाली चौथी टीम

बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार IPL ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया। टीम लगातार दो सीजन (2025, 2026) चैंपियन बनने वाली सिर्फ तीसरी फ्रेंचाइजी बनी। इससे पहले केवल चेन्नई सुपर किंग्स (2010, 2011) और मुंबई इंडियंस (2019, 2020) ही यह उपलब्धि हासिल कर सके थे। बेंगलुरु सबसे ज्यादा ट्रॉफी जीतने वाली टीमों की लिस्ट में कोलकाता (3), मुंबई (5) और चेन्नई (5) के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गई। टीम ने अपनी दोनों ट्रॉफी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जीती। वे मुंबई, चेन्नई और कोलकाता के बाद एक ही मैदान पर दो IPL फाइनल जीतने वाली चौथी टीम बन गईं।

कोहली की 25 बॉल में फिफ्टी

कोहली ने फाइनल में गुजरात के खिलाफ 25 बॉल में फिफ्टी लगा दी। यह IPL में उनकी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उन्होंने 2018 में 26 बॉल पर फिफ्टी लगाई थी। कोहली फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। कोहली ने IPL फाइनल में 10 साल बाद फिफ्टी लगाई है। उन्होंने 2015 में हैदराबाद के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। हालांकि, तब बेंगलुरु हार गई थी।

वैभव ने क्रिस गेल के छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा

राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी ने एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने इस सीजन 72 छक्के लगाए। गेल ने 2012 में बेंगलुरु के लिए 59 छक्के लगाए थे। IPL 2026 में 1426 छक्के लगे हैं। जो कि एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगने का रिकॉर्ड है। 2025 में 1294 छक्के लगे थे। इतना ही नहीं, इस सीजन में 2332 चौके लगे हैं। पिछले सीजन में 2245 चौके लगे थे।

> रजत पाटीदार ने बेंगलुरु को लगातार दूसरा आईपीएल टाइटल जिताया। वे ऐसा करने वाले तीसरे कप्तान बने। उन्होंने एमएस धोनी और रोहित शर्मा की बराबरी की। धोनी ने 2010 और 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स को खिताब जिताया था, जबकि रोहित ने 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस को चैंपियन बनाया था।

मनोरंजन

अल्फा को-स्टार पर बोले- मैं हर किसी के पास जाकर बात प्रूफ नहीं कर सकता, ये महज अफवाह

आलिया से अनबन पर बॉबी देओल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉबी देओल जल्द ही आलिया भट्ट के साथ यश राज प्रोडक्शन की फर्स्ट फीमेल लीड स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में नजर आने वाले हैं। बीते लंबे समय से चर्चा है कि अल्फा की शूटिंग के बीच बॉबी देओल और आलिया भट्ट में अनबन हो गई है। हालांकि अब बॉबी देओल ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए इसे अफवाह करार दिया है।

बॉबी देओल की फिल्म बंदर जल्द ही रिलीज होने वाली है। इससे पहले वो रजत शर्मा के शो आप की अदालत में पहुंचे थे। शो में रजत ने उनसे अल्फा के सेट पर हुई आलिया भट्ट से अनबन की खबरों पर सवाल किया, तो बॉबी ने कहा, मुझे भी किसी दोस्त ने भेजा था उस खबर का स्नैपशॉट, मैं भी हैरान था। लोग इतने वेल्ले हैं कि कुछ भी लिखकर बना देते हैं।

आगे बॉबी ने कहा, 'मैंने अभी रणबीर के साथ फिल्म की, फिर मुझे जब पता चला कि मुझे आलिया के साथ एक फिल्म मिली है, तो मैंने सोचा कि ये हो क्या रहा है मेरे साथ, क्योंकि दोनों ही मेरे फेवरेट एक्टर हैं। दोनों के साथ मुझे काम करने मिल रहा है। ये बहुत अच्छा है। वो कितनी अच्छी एक्ट्रेस है, कितनी हार्डवर्किंग है। कितनी प्रोफेशनल है। उसको फाइट सीक्वेंस करना हो तो बहुत तैयार रहती है।'

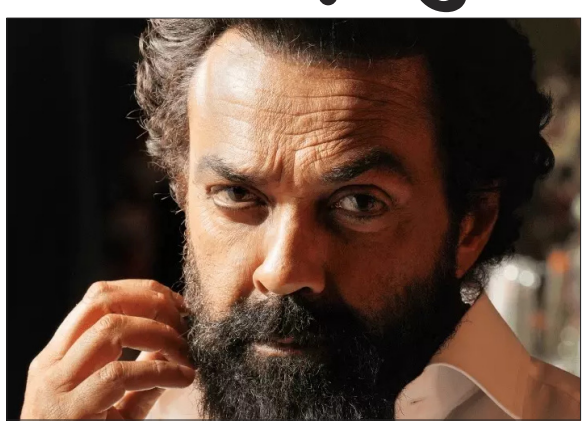

बंदर में नजर आएंगे बॉबी देओल

बॉबी देओल जल्द ही फिल्म बंदर में नजर आएंगे, जो 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में उनके साथ सपना पब्बी और सबा आजाद लीड रोल में हैं। फिल्म में बॉबी देओल ने एक आउटडेटेड म्यूजिशियन का किरदार निभाया है, जो करियर रिवाइव करने की जद्दोजहद के बीच एक विवाद में फंस जाते हैं। फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है।

दुआ लिपा ने कैलम टर्नर से रचाई शादी अनोखी वेडिंग ड्रेस में जीता दिल

17वीं सदी के विला में होगा ग्रैंड सेलिब्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी

पॉप स्टार दुआ लिपा (30) और एक्टर कैलम टर्नर (36) ने लंदन में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी कर ली। इस निजी शादी की तस्वीरें, जो इंटरनेशनल पब्लिकेशन से मिली हैं, ऑनलाइन खूब शेयर की जा रही हैं, जिससे फैंस में काफी उत्साह है।

वायरल तस्वीरों में यह जोड़ा अपने कुछ करीबी लोगों के साथ वेन्यू से बाहर निकलते हुए दिख रहा है। 'वोग' ने बताया कि लिपा ने डैनियल रोजबेरी द्वारा डिजाइन किया गया Schiaparelli couture suit dress पहना था। इसके साथ उन्होंने मैचिंग ग्लव्स, Christian Louboutin के जूते और Stephen Jones की एक बड़ी सी व्हाइट कैप पहनी थी। टर्नर नेवी सूट और टाई में नजर आए, और दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे हुए चल रहे थे।

लगभग 30-40 मिनट तक चले इस समारोह में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों ने इस जोड़े का उत्साह बढ़ाया। यह कपल अगले हफ्ते तीन दिन का शानदार इटैलियन जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। लेकिन, सिसिली के पलेर्मो में होने वाले भव्य समारोहों से पहले, उन्होंने एक कानूनी समारोह में शादी करने का फैसला किया।

कटरीना को छोड़ दिशा संग अक्षय ने लगाए ठुमके

ऊंचा लंबा कद' का नया वर्जन रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार जल्द ही बड़े पर्दे पर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से धमाल मचाने आ रहे हैं। 'वेलकम' सीरीज के इस थर्ड पार्ट में इस बार कहानी अलग होगी और मजेदार होगी, तो वहीं फिल्म वेलकम वन के कल्ट सॉन्ग को इस फिल्म में रीक्रिएट किया गया है और गाने का नाम है 'ऊंचा लंबा कद', जो हाल ही में रिलीज कर दिया गया है।

इस गाने में अक्षय (Akshay Kumar) के साथ इस बार फैंस कटरीना कैफ को तो मिस कर ही रहे हैं, लेकिन हां दिशा (Disha Patani) ने अपनी बोल्ड अदाओं से जादू चलाने की कोशिश जरूर की है। दिशा का अलग अंदाज इसे थोड़ा पार्टी वाला फील दे रहा है। गाने के इस नए वर्जन को आनंद राज आनंद और रुबाई ने अपनी आवाज दी है।

आपको बता दें कि 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, ज़ाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडेय, बृजेंद्र काला, फिरोज खान (अर्जुन), दिवंगत अभिनेता पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्या सिंह और भाग्य भानुशाली जैसे स्टार्स इसमें नजर आएंगे।

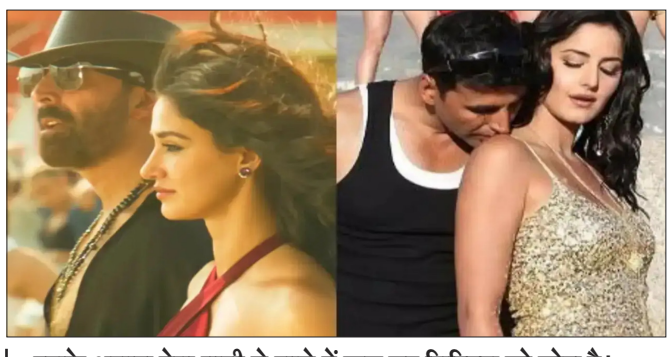

> इसके अलावा मेघा बाली ने गाने में कुछ नए लिरिक्स को जोड़ा है। गाने की बीट्स कमाल की हैं और वहीं लोकेशन्स की बात करें तो इससे पहले अक्षय के कई गानों में ऐसा अंदाज नजर आ चुका है। पार्टी एंथम बनकर आया ये गाना फिलहाल तो रिलीज हो चुका है और अब दर्शक इसे कितना पसंद करेंगे, ये आने वाले वक्त में पता चलेगा।

'ऊंचा लंबा कद' गाना हुआ रिलीज

फिल्म वेलकम टू द जंगल पहले से ही जमकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के गाने और टीजर्स को काफी पसंद किया गया है और अब फिल्म का नया गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' (Ucha Lamba Kad Forever Song) रिलीज कर दिया गया है। अक्षय कुमार के साथ इस गाने में इस बार कटरीना कैफ (Katrina Kaif) नहीं बल्कि दिशा पाटनी नजर आईं हैं।

ओरिजनल गाने का संगीत आनंद राज आनंद ने तैयार किया था, जबकि इसके नए वर्जन को विक्रम मॉन्ट्रोज ने रीक्रिएट किया है। हालांकि गाना सुनने के बाद वैसा फील कतई नहीं दे रहा है, जो ओरिजिनल वर्जन में था। हां, पर इतना जरूर है कि मेकर्स ने इसमें बहुत ज्याद छेड़छाड़ नहीं की है।

गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन

मुंबई, एजेंसी

गायिका सुमन कल्याणपुर का रविवार शाम को मुंबई में 89 की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स में मौत की वजह उम्र से जुड़ी दिक्कतें बताई जा रही हैं।

उनकी करीबी दोस्त मंगला खाडिलकर ने बताया कि सुमन ने रात करीब 8 बजे अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिनों से अपने ही गाए हुए गाने सुन रही थीं। उन्होंने बहुत शांति से दुनिया को अलविदा कहा।

उनका अंतिम संस्कार आज पवनहंस श्मशान घाट पर होगा। उनके परिवार में उनकी बेटी चारू हैं। सुमन को 2023 में पद्मभूषण सम्मान मिला था।

सुमन की आवाज की तुलना अक्सर लता मंगेशकर की आवाज से होती थी। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने 11 भाषाओं में 3000 से ज्यादा फिल्मी-नॉन फिल्मी गाने गाए।

> आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, ना ना करते प्यार जैसे कई गाने मशहूर रहे, लता से तुलना होती थी

सोमवार दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुमन सुल्तानपुर को श्रद्धांजलि देते हुए आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा- लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायकी ने हमारे सांस्कृतिक जगत को समृद्ध बनाया।

शादी के चंद घंटों बाद भारतीय मूल के पायलट की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत, दुल्हन बची

मातम में बदलीं खुशियां

दुःखद

जॉर्जिया, एजेंसी

अमेरिका के जॉर्जिया में शादी के कुछ घंटों बाद भारतीय मूल के पायलट डेव फिजी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे में हेलिकॉप्टर पायलट की भी जान चली गई, जबकि दुल्हन जेस्नी घायल अवस्था में करीब छह घंटे तक मलबे में फंसी रहीं। यह हादसा उस समय हुआ जब नवविवाहित जोड़ा शादी के बाद विशेष विदाई के लिए हेलिकॉप्टर से रवाना हुआ था।

परिवार के अनुसार डेव फिजी बचपन से ही पायलट बनना चाहता था। उसने अपनी मेहनत और लगन से यह सपना पूरा किया और बाद में डेल्टा एयर लाइंस में फर्स्ट ऑफिसर

के तौर पर नियुक्त हुआ। डेव को उड़ान और विमानन क्षेत्र से बेहद लगाव था। परिवार के अनुसार वह बेहदे अनुशासित और जिम्मेदार पेशेवर पायलट था।

उड़ान के कुछ समय बाद हेलिकॉप्टर डॉसनविल के पास घने जंगल वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इलाके की भौगोलिक स्थिति और घने पेड़ों के कारण दुर्घट-नास्थल का पता लगाने में राहत दलों को काफी समय लगा। जॉर्ज फिजी ने बताया कि खोजी दलों को हेलिकॉप्टर का मलबा खोजने में कई घंटे लग गए। इसी वजह से बचाव अभियान भी देर से शुरू हो पाया। परिवार के अनुसार जेस्नी लगभग छह घंटे तक दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर के मलबे में

खुशियों का दिन कुछ घंटों में मातम में बदला

शुक्रवार को डॉसनविल स्थित 'द रिवेरे' वेडिंग वेन्यू में डेव फिजी और जेस्नी की शादी हुई थी। समारोह में करीब 400 मेहमान शामिल हुए थे। परिवार और दोस्तों के बीच जश्न का माहौल था। शादी के बाद दोनों के लिए हेलिकॉप्टर विदाई की विशेष व्यवस्था की गई थी।

डेव और जेस्नी रॉबिन्सन R66 हेलिकॉप्टर में सवार होकर डीकाल्ब-पीचट्री एयरपोर्ट जाने वाले थे, जहां से उन्हें अटलांटा में रात बितानी थी। लेकिन उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

फंसी रहीं। जब उन्हें होश आया तो उन्होंने खुद को टूटे हुए हेलिकॉप्टर के बीच पाया। जॉर्ज फिजी ने बताया कि जेस्नी ने उन्हें जो घटना बताई, वह बेहद दर्दनाक थी। उन्होंने कहा, रजेस्नी ने बताया कि जब

मौसम को लेकर पहले ही जता दी थी चिंता

हादसे से पहले डेव ने मौसम को लेकर चिंता भी जताई थी। उसके पिता के अनुसार, समारोह खत्म होने तक इलाके में कोहरा और बारिश बढ़ चुकी थी, जिससे विजिबिलिटी लगभग शून्य हो गई थी। जॉर्ज फिजी ने बताया, रडेव ने हेलिकॉप्टर पायलट से कहा था कि ऐसी विजिबिलिटी में हम उड़ान नहीं भरते। उसने साफ कहा था कि हालात उड़ान के लिए ठीक नहीं हैं। हालांकि, परिवार के अनुसार हेलिकॉप्टर पायलट ने जवाब दिया कि वे अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरेंगे और यात्रा जारी रखी गई।

उसकी आंख खुली तो डेव उसका सिर उसकी छाती पर रखे हुए था। उसने देखा कि उसके शरीर पर खून था। वह पेशे से नर्स है, इसलिए उसने तुरंत समझ लिया कि डेव अब इस दुनिया में नहीं रहा। हादसे में जेस्नी को कई

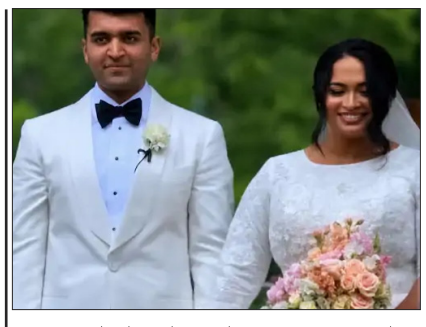

पिता बोले- मेरा बेटा जिंदगी के सबसे खुश दिन पर था

डेव के पिता जॉर्ज फिजी ने बताया कहा, रमेरा बेटा बहुत खुश था। मैं उसे देख रहा था और उसकी खुशी महसूस कर रहा था। वह बेहद हैंडसम लग रहा था। जॉर्ज के मुताबिक, डेव और जेस्नी की दोस्ती चर्च के जरिए हुई थी। दोनों परिवारों का संबंध अमेरिकी राज्यों साउथ कैरोलाइना और जॉर्जिया के चर्च समुदायों से रहा है। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और दोनों ने जीवनसाथी बनने का फैसला किया।

जगह चोटें और कट लगे हैं, लेकिन कोई हड्डी नहीं टूटी। परिवार के मुताबिक वह शारीरिक रूप से धीरे-धीरे ठीक हो रही हैं, हालांकि पति को खोने का सदमा बहुत गहरा है।

यूएस ने ईरान के रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर किया हमला

आईआरजीसी ने अमेरिकी बेस को बनाया निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ईरान के साथ समझौता करने का दावा कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उनकी सेना तेहरान पर हमले भी कर रही है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका ने दावा किया है कि उसने इस वीकेंड ईरान के ड्रोन कमांड ठिकानों पर हमला किया है।

अमेरिका ने रविवार को कहा कि उसने इस वीकेंड ईरान के गोरुक और केशम द्वीप पर स्थित ईरानी रडार और ड्रोन नियंत्रण स्थलों पर आत्मरक्षा में हमले किए। अमेरिका ने इसे तेहरान की आक्रामक कार्रवाइयों का जवाब बताया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान ने एक अमेरिकी MQ-1 ड्रोन को मार गिराया था, जो अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहा था।

CENTCOM ने कहा कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरानी हवाई सुरक्षा प्रणालियों, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो 'वन-वे' (एकत-रफा) हमलावर ड्रोनों को नष्ट कर दिया। उसने यह भी बताया कि इस दौरान किसी भी अमेरिकी सैन्यकर्मी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ईरान ने भी की जवाबी कार्रवाई

वहीं, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआ-रजीसी) ने सोमवार को कहा कि उसकी एयरोस्पेस सेना ने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल उसके अनुसार सिरिक द्वीप पर एक टेलीकॉम टावर पर अमेरिका द्वारा किए गए हमले में किया गया था।

फास्ट न्यूज

मलेशिया में अब बच्चे नहीं चला सकेंगे फेसबुक और इंस्टाग्राम

नई दिल्ली। मलेशिया ने सोमवार को 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के इंटरनेट मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगाने वाले नियम को लागू कर दिया है।

नियम के तहत इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म को आयु सत्यापन प्रणाली लागू करनी होगी और 16 वर्ष से कम आयु के यूजर्स को अकाउंट बनाने से रोकना होगा। ये नियम फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब सहित अन्य पर लागू होंगे।

'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद', फ्रांस ने जब्त किया तेल टैंकर तो भड़क गया रूस

नई दिल्ली। फ्रांस ने आज सोमवार 1 जून को अटलांटिक महासागर में रूस के तेल टैंकर पर कब्जा कर लिया है। रूस ने इस तेल टैंकर को हिरासत में लेने की कड़ी निंदा की है। रूस ने फ्रांस की इस कार्रवाई को अवैध बताया और चेतावनी दी कि मॉस्को अपने शिपिंग ऑपरेशन्स की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाएगा। रॉयटर्स के मुताबिक, फ्रांस के टैंकर 'टैगोर' को जब्त किए जाने पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस इस कदम को गैर-कानूनी मानता है।

दक्षिण कोरिया में रक्षा कंपनी में विस्फोट

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया में सोमवार को एक रक्षा कंपनी में विस्फोट और आग लगने की घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट दक्षिण कोरिया के डेजान शहर में हनवा एयरोस्पेस के राकेट प्रोपेलेंट के उत्पादन लाइन में हुई। विस्फोट के कारण सहित अन्य विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं थे। आपातकालीन अधिकारी यून सियोंग-सू ने बताया कि यह क्षेत्र सरकार द्वारा नामित एक सुरक्षा केंद्र है।

भारत दौरे पर आएंगी ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर

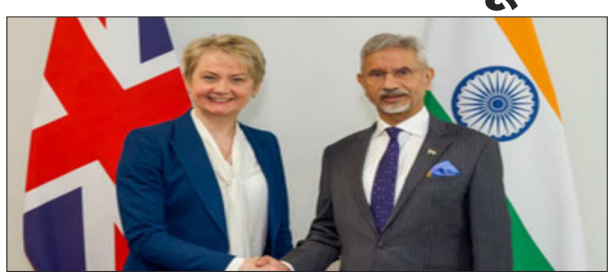

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर भारत का दौरा करेंगी। इससे पहले सोमवार को चीन जाएंगी। दो देशों का दौरा वैश्विक चुनौतियों से निपटने और सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि दोनों प्रमुख शक्तियों के साथ मंत्रिस्तरीय बैठकों में होर्मुज जलडम-रूमध्य की स्थिति, रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण और अफ्रीका में इबोला के प्रकोप जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। कूपर गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी, जिसके बाद व्यापार और शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों से बातचीत होगी। उनका दिल्ली दौरा पिछले साल जुलाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटिश समकक्ष कीएर स्टार्मर द्वारा द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जाने के लगभग एक साल बाद हो रहा है। इसे एक महत्वाकांक्षी और भविष्योन्मुखी समझौता बताया गया है, जो दोनों देशों के पारस्परिक विकास, समृद्धि और तीव्र वैश्विक परिवर्तन के दौर में एक समृद्ध, सुरक्षित और टिकाऊ दुनिया के निर्माण के लिए मिलकर काम करने के संकल्प को रेखांकित करता है।

नेपाली पीएम बोले-सिर्फ भारत ने हमारे इलाके नहीं कब्जाए, विपक्षी पार्टी बोली- बालेन सबूत दिखाएं

'हमने भी भारतीय जमीन पर कब्जा किया'

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। अब दोनों देशों को मिलकर इस मामले की जांच करनी चाहिए।

बालेन पीएम बनने के 2 महीने बाद पहली बार नेपाली संसद को संबोधित कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस बारे में जानकारी मिली।

उनके बयान को लेकर विपक्षी दल नाराज हो गए हैं। नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के कई सांसदों ने मांग की कि यह बयान संसद की कार्यवाही से हटाया जाए। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री या तो अपने दावे के समर्थन में सबूत दें या फिर बयान वापस लें।

बालेन शाह 5 मार्च को नेपाल के प्रधानमंत्री बने थे। करीब 2 महीने बाद उन्होंने पहली बार 31 मई को संसद को संबोधित किया।

इसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा कि 'सीमा-पार कब्जा' से मतलब नो-मैन्स लैंड के उन इलाकों से है, जहां दोनों देशों के लोग रहकर खेती करते हैं।

प्रधानमंत्री से भारत और चीन के बीच लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के रास्ते होने वाले व्यापार को लेकर भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि विवाद का समाधान कूटनीतिक बातचीत से निकाला जाएगा।

पीएम ने पहली बार संसद को संबोधित किया

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को नेपाल की संसद को संबोधित किया है। इस साल मार्च में हुए चुनावों के बाद सत्ता संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब नेपाल के प्रधानमंत्री शाह ने संसद में अपनी बात रखी है।

दरअसल, विपक्षी दलों के सांसद लगातार मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री संसद में आकर देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखें। इसके बाद बालेन शाह ने संसद को संबोधित किया और सांसदों के सवालों के जवाब दिए। नेपाल में मार्च 2026 में बालेन शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक कूटनीतिक और रणनीतिक संबंधों में काफी बदलाव और असहजता देखी गई है।

भारतीय विदेश सचिव को मिलने का समय न देना

मई 2026 में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री नेपाल के दौरे पर जाने वाले थे, ताकि वे प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से बालेन शाह को भारत आने का आधिकारिक न्योता दे सकें। लेकिन पीएम बालेन शाह ने भारतीय विदेश सचिव को मुलाकात का समय देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण भारत को यह दौरा टालना पड़ा।

लिपुलेख दर्रे से मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति

भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के फैसले पर बालेन शाह प्रशासन ने सख्त आपत्ति जताई। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोहराया कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा नेपाल का अभिन्न अंग हैं।

स्विट्जरलैंड और फ्रांस बना मोस्ट फेवरेट डेस्टिनेशन

शेंगेन वीजा के लिए भारतीयों ने किया सबसे ज्यादा आवेदन

हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी और रुपये की गिरावट से विदेश यात्रा महंगी होने के बावजूद 2025 में 2024 की तुलना में 4% अधिक भारतीयों ने शेंगेन वीजा के लिए आवेदन किया। अस्वीकृति दर भी 15% से बढ़कर 15.8% हो गई।

नई दिल्ली, एजेंसी

साल 2025 में भारतीय दुनिया भर में शेंगेन वीजा के लिए आवेदन करने वाले तीसरे सबसे बड़े समूह के रूप में उभरे। यूरोपीय आयोग (EC) के आंकड़ों के अनुसार, 11.5 लाख भारतीयों ने शेंगेन वीजा के लिए आवेदन किया, जिनमें से 15.8% आवेदन रिजेक्ट हो गए।

चीनी नागरिकों ने 18 लाख आवेदनों के साथ पहला स्थान बनाए रखा, जिसमें रिजेकशन रेट महज 4.1% रही। तुर्की से 12.5 लाख आवेदकों में अप्लाई किया। रूस (6.8 लाख) और मोरक्को (6.2 लाख) एप्लीकेशन के साथ चौथे और पांचवें नंबर पर रहे। EC ने कहा कि शीर्ष पांच आवेदक देशों की लिस्ट में ज्यादातर कोई बदलाव नहीं हुआ। 2025 में कुल 3.3 करोड़ भारतीयों ने विदेश यात्रा की, जो 2024 से 6% और 2019 से 21.5% अधिक है। इनमे UAE (86 लाख), सऊदी अरब (34 लाख), थाईलैंड (22 लाख), USA (20 लाख) और सिंगापुर (15 लाख) जाने वालों की संख्या इतनी रही। वैश्विक स्तर पर शेंगेन क्षेत्र में 1.2 करोड़ अल्पकालिक वीजा आवेदन आए, जिनमें से 1 करोड़ से अधिक वीजा जारी किए गए। शेंगेन वीजा यूरोप के 29 देशों का एक साझा वीजा है इसे प्राप्त करने के बाद आपको हर यूरोपीय देश के लिए अलग से वीजा नहीं लेना पड़ता और आप बिना किसी सीमा जांच के इन सभी देशों में आसानी से यात्रा कर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड और फ्रांस मनपसंद

भारत से शेंगेन वीजा आवेदनों में स्विट्जरलैंड सबसे आगे रहा, जहां लगभग 2.3 लाख आवेदन आए और अस्वीकृति दर 13.6% रही। फ्रांस में 2 लाख से अधिक, जर्मनी में 1.5 लाख, नीदरलैंड्स में करीब 1 लाख और स्पेन में 91,000 आवेदन प्राप्त हुए। अन्य देशों में इटली, ऑस्ट्रिया, ग्रीस, बेल्जियम और स्वीडन शामिल थे। स्विट्जरलैंड और फ्रांस में वीजा प्रक्रिया तेज है, वहीं 7-10 दिनों में पासपोर्ट वापस मिल जाता है, जबकि कुल औसत टर्नअराउंड टाइम 15 दिन है।

मई में 1.94 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन पिछले महीने से 20% कम

अप्रैल में रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रुपए का कलेक्शन रहा था

नई दिल्ली, एजेंसी

मई 2026 में 1.94 लाख करोड़ रुपए का GST कलेक्शन हुआ है। यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 20% कम है। हालांकि पिछले साल की समान अवधि यानी मई 2025 से 3.2% ज्यादा है। मई 2025 में 1.88 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। सरकार ने आज यानी 1 जून को GST कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। मई महीने में GST कलेक्शन की ग्रोथ मुख्य रूप से इंपोर्ट पर निर्भर रही। इंपोर्टेड गुड्स से होने वाला ग्रॉस GST रेवेन्यू सालाना आधार पर 19.1% बढ़कर 59,654 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी तरफ घरेलू ट्रांजैक्शन से होने वाली ग्रॉस घरेलू कमाई में 2.6% की गिरावट आई और यह 1.35 लाख करोड़ रुपए रही।

वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) को मिलाकर कुल ग्रॉस GST कलेक्शन 6.2% बढ़कर 4.37 लाख करोड़ हो गया है। इसी तरह, पहले दो महीनों में नेट GST रेवेन्यू भी 5.5% की बढ़त के साथ 3.78 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। GST कलेक्शन के मामले में अलग-अलग राज्यों में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। बड़े राज्यों की बात करें तो सेटलमेंट से पहले (प्री सेटलमेंट SGST) कर्नाटक में 11%, आंध्र प्रदेश में 11%, उत्तर प्रदेश में 9% और महाराष्ट्र में 8% की ग्रोथ दर्ज की गई। केरल में यह ग्रोथ 19% रही, जबकि गुजरात में कलेक्शन 3% बढ़ा। जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी तंदुरुस्त है। अगर कलेक्शन ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है और लोग ईमानदारी से टैक्स भर रहे हैं।

खुलासा : सामने आईं दुर्लभ फ्रेंच वाइन की 40 हजार बोतलें, जॉर्जियाई सरकार ने पहली बार इस तहखाने को खोला

जॉर्जिया में लोगों के लिए खोला गया जोसेफ स्टालिन का तहखाना

नई दिल्ली, एजेंसी

तिबिलिसी की सड़कों के बहुत नीचे, भारी दरवाजों और सालों की खामोशी के पीछे एक ऐसा संग्रह मौजूद है जिसे बहुत कम लोगों ने देखा है। धूल से ढकी बोतलें। धुंधले लेबल। पत्थर की छतों से लटकते जाले और एक ऐसी कहानी जो 20वीं सदी की सबसे विवादित हस्तियों में से एक से जुड़ी है।

दशकों तक सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन से जुड़ा वाइन का एक विशाल संग्रह आम लोगों की नजरों से काफी हद तक छिपा रहा। अब जॉर्जियाई सरकार ने पहली बार इस तहखाने को खोला है, जिसमें दुर्लभ फ्रेंच और जॉर्जियाई वाइन की लगभग 40,000 बोतलें सामने आई हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से कुछ बोतलें कथित तौर पर 200 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। इस कदम ने संग्रहकर्ताओं, इतिहासकारों और वाइन के शौकीनों सभी के बीच दिलचस्पी जगा दी है। इसको लेकर एक दिलचस्प सवाल भी खड़ा होता है कि आखिर उस तहखाने के अंदर ठीक-ठीक क्या छिपा है, जिसे एक ऐसे व्यक्ति ने तैयार किया था जिसका नाम आज भी दुनिया के बड़े हिस्से में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा करता है?

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वाइन कलेक्शन के पीछे की कहानी शाही रूस के जमाने से जुड़ी है। इस तहखाने का कुछ हिस्सा असल में रोमानोव राजवंश का था। फ्रांस की मशहूर वाइन एस्टेट्स से वाइन जार अलेक्जेंडर III ने जमा की थीं और बाद में उनके बेटे निकोलस II ने।

गुप्त वाइन तहखाने के अंदर क्या मिला?

इस हफ्ते इस अंडरग्राउंड तहखाने में प्रवेश करने वाले आगंतुकों का स्वागत एक ऐसे दृश्य ने किया जिस पर आधुनिक जीवन का कोई असर नहीं दिखता। पुरानी बोतलें दूर तक फैली हुई हैं। कई बोतलों के लेबल धूल से ढके हैं, जिनमें से कुछ तो मुश्किल से ही पढ़े जा सकते हैं।

कहा जाता है कि वहां की हवा में एक मीठी और मिट्टी जैसी महक घुली हुई है जो अक्सर पुराने वाइन तहखानों से जुड़ी होती है। माना जाता है कि इस संग्रह में सोवियत संघ के दौर में जमा की गई कुछ बेहतरीन वाइन शामिल हैं। फ्रेंच विंटेज वाइन जॉर्जियाई वाइन के साथ रखी है जो शाही पसंद और स्टालिन के अपनी मातृभूमि से गहरे जुड़ाव, दोनों को दर्शाती है।

जॉर्जिया लंबे समय से खुद को वाइन की जन्मभूमि के तौर पर बढ़ावा देता रहा है। पुरातत्विक सबूतों से पता चलता है कि इस इलाके के लोग करीब 8,000 सालों से वाइन बना रहे हैं। यह इतिहास इस खोज में एक और दिलचस्प पहलू जोड़ता है। यह तहखाना खुद किसी म्यूजियम के उस नमूने जैसा लगता है, जो गलती से कई पीढ़ियों तक बंद पड़ा रहा।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा

5 किलो के फ्री ट्रेड वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम 11 बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 जून से 53.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3113.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले LPG सिलेंडर की कीमतों में 11 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब इस सिलेंडर की कीमत 821.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और ATF, यानी हवाई जहाज के ईंधन पर नई एक्सपोर्ट ड्यूटी आज से लागू हो गई है।

बदलाव: तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत 3113.50 हो गई है। पहले ये 3071.50 में मिल रहा था।

असर: कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है।

FTL सिलेंडर की कीमत 11 रुपए बढ़कर 821.50 हो गई है। पहले इसकी कीमत 810.50 थी। FTL सिलेंडर को छोटू सिलेंडर भी कहते हैं जिसे कोई भी बिना एड्रेस प्रूफ के ले सकता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676